हिन्दी साप्ताहिक

# भारत निविदा लाईन समाचार पत्र

क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 46 ■ नई दिल्ली 11 से 17 सितम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

माही विज ने बताया क्यों छोड़ा था सहर होने को है

# दुनिया को चिप विनिर्माण के लिए भरोसेमंद नए ठिकानों की जरूरत, भारत तैयार : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि दुनिया को सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए नए और भरोसेमंद स्थानों की जरूरत महसूस हो रही है और भारत इस अवसर के लिए खुद को लगातार तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर विनिर्माण का पसंदीदा गंतव्य बनने की दिशा में हर जरूरी कदम उठा रहा है।

प्रधानमंत्री ने यहां यशोभूमि में सेमीकोन इंडिया-2026 का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत सेमीकंडक्टर मिशन के दूसरे चरण की शुरूआत कर चुका है। पहले चरण में करीब आठ अरब डॉलर के व्यय की योजना थी, जिसे दूसरे चरण में बढ़ाकर 13.5 अरब डॉलर किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में नीतियों पर चर्चा हुई, बाद के चरणों में पायलट लाइन और परीक्षण की दिशा में प्रगति हुई और अब भारत वाणिज्यिक उत्पादन के चरण में पहुंच गया है।

मोदी ने कहा कि मोहाली और सूरत में दो सेमीकंडक्टर संयंत्रों में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है और भारत में बने चिप अब देश के साथ-साथ दुनिया के ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में किसी देश को इस मुकाम तक पहुंचाना आसान नहीं होता, क्योंकि फैक्टरी स्थापित होने के साथ ही उत्पादन शुरू नहीं हो जाता। इसके लिए तकनीकी क्षमता और विशेषज्ञता विकसित करने में लंबा समय लगता है।प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से इस यात्रा में सक्रिय भागीदारी जारी रखने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य फैबलेस कंपनियों की वृद्धि और बौद्धिक संपदा के सृजन को देश में बढ़ावा देना है। विभिन्न प्रकार के कंपाउंड सेमीकंडक्टर, सिलिकॉन फोटोनिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी तकनीकों के विकास पर भी जोर दिया जा रहा है। मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना भारत की प्राथमिकताओं में शामिल है और इस दिशा में कई सुधार किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने बताया कि अब तक 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है और अगले चरण में इनका दायरा और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने रसायन और गैसों सहित सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े क्षेत्रों की कंपनियों से भी भारत में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

मोदी ने कहा कि भारत की एक बड़ी ताकत उसका युवा और कुशल मानव संसाधन है। सरकार का लक्ष्य एक लाख इंजीनियरिंग छात्रों को सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए प्रशिक्षित करना है और बड़ी संख्या में युवाओं को अब तक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने भारत में शोध कर रहे युवा प्रतिभाओं के साथ विदेशों में शोध कर रहे भारतीय युवाओं से भी उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास में देश से जुड़ने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत के नेताओं से देश में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) को नेतृत्व देने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे उद्योग को लाभ मिलने के साथ भारत की युवा शक्ति को भी मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार के साथ कंप्यूटिंग शक्ति की जरूरत तेजी से बढ़ेगी और इसके साथ बिजली की मांग भी बढ़ेगी। एआई डेटा केंद्रों में हजारों उच्च क्षमता वाले प्रोसेसर एक साथ काम कर रहे हैं और बड़ी मात्रा में डेटा का प्रसंस्करण कर रहे हैं। ऐसे में सेमीकंडक्टर संयंत्रों और डेटा केंद्रों को विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराना भी महत्वपूर्ण होगा। मोदी ने कहा कि भारत बिजली क्षेत्र में बड़े स्तर पर निवेश कर रहा है। बीते दशक में देश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता बढ़कर 160 गीगावॉट से अधिक हो गई है। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी तेजी से काम हो रहा है और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने बिजली पारेषण नेटवर्क का भी विस्तार किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, विशाल प्रतिभा आधार और मजबूत हो रहा बुनियादी ढांचा उसे वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव हो रहा है, भारत में विकसित हो रहे अवसरों को व्यापक वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सेमीकोन इंडिया का आयोजन 2022 में शुरू हुआ था और प्रत्येक संस्करण के साथ भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा एक नए चरण में पहुंची है। इस वर्ष का आयोजन पायलट परियोजनाओं से आगे बढ़कर वाणिज्यिक उत्पादन की दिशा में भारत की प्रगति को दशार्ता है।

## राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। दोनों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की विकास यात्रा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में हो रही प्रगति का उल्लेख किया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा में गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनका योगदान शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सुशासन के नए मानक स्थापित किए हैं और समावेशी विकास को नई गति और दिशा दी है। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास के बीच सामंजस्य का भी उल्लेख किया। वहीं, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपने संदेश में प्रधानमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके दृढ़ और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विश्व में एक उज्ज्वल केंद्र के रूप में उभर रहा है और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से बढ़ने वाले देशों में शामिल है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 25 करोड़ से अधिक भारतीय अत्यंत गरीबी से बाहर आए हैं। डिजिटल क्रांति ने लाखों लोगों को सशक्त किया है तथा अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

उन्होंने कहा कि पिछड़े जिलों को आकांक्षी जिले, सीमावर्ती गांवों को जीवंत और प्रथम गांव तथा पूर्वोत्तर को अष्टलक्ष्मी के रूप में संदर्भित करना प्रधानमंत्री के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दशार्ता है। इससे भौगोलिक रूप से हाशिए पर रहे क्षेत्रों को सशक्त बनाने और देश की विकास यात्रा में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा मिला है। राधाकृष्णन ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की अपनी यात्राओं में उन्होंने इन बदलावों को देश के दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचते हुए प्रत्यक्ष रूप से देखा। उन्होंने कहा कि देशभर में प्रगति, आकांक्षा और नए उत्साह की भावना सामूहिक विकास यात्रा में लोगों के विश्वास को दशार्ती है।

## प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर नितिन नवीन ने किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके दीघार्यु और निरंतर सफलता की कामना की।

पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि 17 सितंबर भगवान विश्वकर्मा की पूजा का दिन भी है और आधुनिक भारत के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भी। उन्होंने प्रधानमंत्री को देश का ह्यप्रधान सेवकह्ल बताते हुए कहा कि उनके जन्मदिन के अवसर पर भाजपा ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल की शुरूआत कर रही है और इस दिन को ह्यसेवा दिवसह्ल के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में भाजपा कार्यकर्ता रक्तदान अभियान शुरू कर रहे हैं। उन्होंने रक्तदान कार्यक्रम में शामिल होने को अपना सौभाग्य बताया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में बड़ी संख्या में लोगों के जीवन में बदलाव आया है। उनके मुताबिक यह बदलाव केवल लोगों की जीवन परिस्थितियों तक सीमित नहीं है, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सोच में भी परिवर्तन आया है। आज देशवासी 'नेशन फर्स्ट' की भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में लोग प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दे रहे हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री के दीघार्यु और निरंतर सफलता की कामना करते हुए कहा कि भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में बढ़ते हुए वैश्विक मंच पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करेगा।

# मोदीजी का जीवन देश के लिए प्रेरणा : अमित शाह

**वडनगर, एजेंसी।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'मोदीजी का जीवन देश के लिए प्रेरणा' है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लंबे समय तक निरंतर जनसेवा करते हुए विभिन्न चुनावों में जनता का विश्वास और आशीर्वाद प्राप्त किया है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर उनके जन्मस्थान वडनगर में आज से दो दिवसीय जन्मदिवस के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और सेवा-संकल्प को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों के साथ वडनगर में विशेष माहौल है। इस अवसर पर चार अलग-अलग पवित्र स्थलों से बाइक यात्राएं बुधवार को वडनगर पहुंचीं। इन यात्राओं के दौरान विभिन्न पवित्र नदियों का जल एकत्र कर वडनगर लाया गया। इसके बाद यात्रियों ने हाटकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान हाटकेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। जलाभिषेक के बाद शर्मिष्ठा तालाब पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की मौजूदगी में महाआरती की गई।

### प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर वडनगर में दो दिवसीय कार्यक्रम

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर वे उनके जन्मस्थान वडनगर आए हैं। उन्होंने हाटकेश्वर महादेव के चरणों में प्रधानमंत्री मोदी के दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सेवा का देश के सार्वजनिक जीवन में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े लोगों ने तय किया है कि इस अवसर को देशभर की जनता तक पहुंचाया जाएगा।

**'मोदी जैसा जीवन हर युवा को जानना चाहिए'**

अमित शाह ने कहा कि कुछ लोग वंशवादी राजनीति से जुड़े रहे हैं और उन्होंने सवाल किया कि ऐसे लोगों के लिए नरेन्द्र मोदी के जीवन को जानना क्यों जरूरी है। उन्होंने कहा कि मोदी का जीवन ऐसा है, जिससे देश के हर बच्चे, किशोर और युवा को परिचित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लंबे समय तक निरंतर जनसेवा करते हुए विभिन्न चुनावों में जनता का विश्वास और आशीर्वाद प्राप्त किया है। उनका जीवन सार्वजनिक सेवा और संगठन के प्रति समर्पण का उदाहरण है।

**शर्मिष्ठा तालाब से जुड़ी कथा भी बताई**

शाह ने वडनगर के ऐतिहासिक शर्मिष्ठा तालाब से जुड़ी मान्यता का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि नरसिंह मेहता की बेटी कुंवरबाई की पुत्री शर्मिष्ठा का विवाह वडनगर के झटपट मेहता के साथ हुआ था। क्षेत्र में अकाल पड़ने पर यहां के राजा से तालाब बनवाने का अनुरोध किया गया था और इसी से तालाब का नाम शर्मिष्ठा पड़ने की मान्यता है। उन्होंने वडनगर और प्रधानमंत्री मोदी के बाल्यकाल से जुड़े प्रसंगों का भी उल्लेख किया और कहा कि हाटकेश्वर महादेव मंदिर तथा शर्मिष्ठा तालाब प्रधानमंत्री मोदी के जीवन से भावनात्मक रूप से जुड़े महत्वपूर्ण स्थान हैं।

**25 वर्ष की सेवा को समर्पित यात्रा**

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन और उनके 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन को ध्यान में रखते हुए गुजरात में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वडनगर में निकाली गई यात्राओं के माध्यम से सेवा, समर्पण और जनसंपर्क का संदेश लोगों तक पहुंचाया जा रहा है।

शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनका सार्वजनिक जीवन देश के लिए महत्वपूर्ण रहा है और आने वाले समय में भी उनका अनुभव तथा मार्गदर्शन देश के लिए उपयोगी रहेगा।

# यूपीआई पर 0.4 प्रतिशत चार्ज को लेकर सियासत तेज

### भाजपा ने कहा- ग्राहक पर नहीं पड़ेगा बोझ, कांग्रेस फैला रही भ्रम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** यूपीआई पर लगाए गए एमडीआर पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। सरकार की ओर से सफाई दी गई है कि इसका बोझ आम ग्राहक पर नहीं पड़ेगा, लेकिन विपक्ष इसे लेकर केंद्र पर हमलावर है। वहीं, भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर झूठ और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है।

जम्मू-कश्मीर से भाजपा प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने इस मुद्दे पर कहा, यूपीआई पर जो एमडीआर लगाया जा रहा है, वह नहीं लगाना चाहिए और हम इससे सहमत हैं। कमेटी ने यह कदम उठाया है, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से अभी तक कोई आदेश नहीं आया है। इस बात पर चर्चा चल रही है कि दुकानदारों पर कोई अतिरिक्त बोझ न पड़े।

दिल्ली में भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, किसी का कोई दबाव नहीं है। वे सभी सोरोस के एजेंडे के हिसाब से काम करते हैं। वे जो कुछ भी कहते हैं, सोरोस के दबाव में कहते हैं। यूपीआई पर बनी कमेटी में उनकी पार्टी के सदस्य भी शामिल थे। जिस बैठक में यह फैसला लिया गया, उसमें कांग्रेस पार्टी के सदस्य भी मौजूद थे और यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया था।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बयान का समर्थन करते हुए कहा, उमर अब्दुल्ला एक समझदार नेता हैं और उन्हें अर्थशास्त्र की समझ है, इसलिए उन्होंने सही बात कही है कि जनता से कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। हमीरपुर से भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस को आलोचना करने के लिए कोई न कोई बहाना चाहिए होता है। याद कीजिए, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल ट्रांजैक्शन शुरू किए थे, तब कांग्रेस नेता कहते थे–देश में इंटरनेट कहां है? किसके पास स्मार्टफोन है? डिजिटल ट्रांजैक्शन कौन करेगा?

विजयवाड़ा में भाजपा नेशनल काउंसिल की सदस्य यामिनी शर्मा ने कहा, जहां तक यूपीआई की बात है तो मुझे लगता है कि राहुल गांधी को यह भी नहीं पता कि उनकी अपनी पार्टी के सांसदों, जिनमें चिदंबरम समेत पांच सांसद शामिल हैं, ने यूपीआई इकोसिस्टम पर अभी लागू 0.4 प्रतिशत की मामूली फीस का समर्थन किया है। दूसरी ओर, राहुल गांधी गलत जानकारी फैला रहे हैं, इसलिए कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी एक बार फिर लोगों के बीच घबराहट और गलत जानकारी फैलाकर 'झूठ की दुकान' की तरह काम कर रहे हैं।

भाजपा सांसद रेखा शर्मा ने कहा, कोई कंट्रोवर्सी नहीं है। कस्टमर पर कोई चार्जेस एक्स्ट्रा नहीं लगेगा, लेकिन विपक्ष के पास अब मुद्दा नहीं है, तो उनको ऐसे ही झूठे मुद्दे ढूंढने पड़ रहे हैं और मुंह की खानी पड़ती है।

दिल्ली में मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, कांग्रेस को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का वह बयान याद रखना चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब हम दिल्ली से राज्यों को 1 रुपया भेजते हैं तो अलग-अलग स्तरों पर कटौती के बाद उन तक सिर्फ 15 पैसे ही पहुंचते हैं। आज वही कांग्रेस यूपीआई पर सवाल उठा रही है। वहीं, मुंबई में शिवसेना शिंदे गुट की नेता मनीषा कायंदे ने सरकार से पुनर्विचार की अपील की। उन्होंने कहा, ह्लमेरी राय में सरकार की तरफ से इस पर सफाई आई है। एक तरफ सरकार डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा दे रही है और टैक्स भी लगाया जा रहा है। कोविड और नोटबंदी के बाद सरकार ने डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए जो कोशिशें की थीं, उन्हें शायद कहीं न कहीं झटका लग सकता है।

## अभाविप कार्यकर्ता के घर एनएसयूआई के कार्यकताओं के हमले का आरोप, एक हिरासत में

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकताओं पर बुधवार को उनके एक कार्यकर्ता के आवास पर सुनियोजित तरीके से हमला करने का गंभीर आरोप लगाया है।

अभाविप का दावा है कि कार्यकताओं ने मौके से भाग रहे एक हमलावर को पकड़कर स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया, जिसने कथित तौर पर एनएसयूआई का सोशल मीडिया कार्यकर्ता होने की बात स्वीकार की है। अभाविप के अनुसार यह घटना विश्वविद्यालय क्षेत्र के हरि मंदिर स्थित अभाविप कार्यकताओं के निवास पर हुई। संगठन का कहना है कि आवास पर छात्र कार्यकताओं के साथ छात्राएं भी मौजूद थीं और सभी मिलकर शांतिपूर्ण बैठक कर रहे थे। परिषद का आरोप है कि बिना किसी उकसावे के बाहर से आए एनएसयूआई कार्यकताओं ने अचानक बैठक पर हमला कर दिया। हमले के तुरंत बाद कई हमलावर मौके से फरार हो गए, जबकि एक व्यक्ति को अभाविप कार्यकताओं ने मौके पर ही रोक लिया और कानून अपने हाथ में लिए बिना पुलिस को सौंप दिया।

मामले पर कड़ा ऐतराज जताते हुए अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा, लोकतांत्रिक छात्र राजनीति को हिंसा के जरिए दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता अभाविप कार्यकताओं के निवास तक क्यों पहुंचे और छात्रा कार्यकताओं की मौजूदगी के बावजूद हमला क्यों किया गया। शर्मा ने आरोप लगाया कि जब विद्यार्थियों के बीच संवाद और जनसमर्थन का अभाव दिखता है, तब कांग्रेस, आईवाईसी और एनएसयूआई की राजनीतिक मशीनरी छात्र राजनीति में हिंसा का सहारा लेती है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से भी अपनी छात्र और युवा इकाइयों की गतिविधियों पर जवाबदेही तय करने को कहा। उन्होंने ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी प्रकार के हिंसक दबाव के आगे नहीं झुकेगी। शर्मा ने दिल्ली पुलिस से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच करने, हमले में शामिल अन्य सभी आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

# सहारनपुर में मानवाधिकार एसोसिएशन की बैठक

## संगठन विस्तार और जनहित अभियानों पर दिया जोर

**घनश्याम दास**

**उत्तर प्रदेशः** सहारनपुर सायंकाल 05 बजे से 06 बजे तक मानवाधिकार एमरजेंसी हेल्पलाइन एसोसिएशन के जिला कार्यालय भरत विहार, मल्हीपुर रोड पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मानवाधिकार एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष श्री राकेश कुमार शर्मा ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर बैठक का मार्गदर्शन किया। यह बैठक मानवाधिकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष माननीय चंद्रशेखर दिक्षित के कर कमलों द्वारा आहूत की गई, बैठक का संचालन जिला महासचिव श्री अमित कुमार लूथरा ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए माननीय मंडल अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी एकता,अखंडता और आपसी सौहार्दपूर्ण वातावरण ही संगठन को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि संगठन में पदों पर हमेशा परिवर्तन होता रहता है। हमें अपने संगठन के प्रति निष्ठावान एंव जागरूक रहना अनिवार्य है, उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन ऐसी शक्ति है

जिसके बल हम अपने साथ साथ आमजन की समस्याओं का निवारण करने में सक्षम होते हैं।

मानवाधिकार एसोसिएशन सहारनपुर के मंडल अध्यक्ष श्री राकेश कुमार कुमार शर्मा ने यह भी बताया कि आज हमारा संगठन पीड़ितों की आवाज बनकर जिले एंव मंडल स्तर पर कार्यरत एंव चर्चित है। बैठक में जिलाध्यक्ष श्रीमान चंद्रशेखर दिक्षित ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज की बैठक का आयोजन कार्यकताओं को नियुक्ति पत्र वितरण और संगठन के विस्तार पर बल देने के उद्देश्य से किया गया है, उन्होंने कहा कि मानवाधिकार एसोसिएशन में हम सब लोगों का तालमेल संगठन को मजबूती प्रदान कर रहा है, जिसके कारण आज मानवाधिकार एसोसिएशन चर्चा में है, और इच्छुक बंधु स्वयं मानवाधिकार एसोसिएशन से जुड़कर गर्व महसूस कर रहे हैं, मानवाधिकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष माननीय चंद्रशेखर दिक्षित ने सम्मानित पदाधिकारीगणों एंव सदस्य गणों को उनके नियुक्ति पत्र सौंपे, और कहा कि हम संगठन के द्वारा जल्द ही जनहित व राष्ट्रहित में नशामुक्ति,जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण आदि पर जागरूकता अभियान चलाएंगे। इसी बीच मानवाधिकार एसोसिएशन की ओर से सौरव दिक्षित की जवाहर इंटर कॉलेज टरिया सुजान जिला कुशीनगर उत्तर प्रदेश में पी टी आई के पद पर नियुक्ति होने पर उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर मानवाधिकार एसोसिएशन का मेडल एंव प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

जिलाध्यक्ष श्रीमान चंद्रशेखर दिक्षित ने आगामी 4 अक्टूबर में होने वाली विशेष रूप से बैठक के आयोजन का भी आव्हान किया और कार्यकताओं को मानवाधिकार एसोसिएशन के उद्देश्यों पर खरे उतरने के लिए प्रेरित कर निर्देश दिए। मानवाधिकार एमरजेंसी हेल्पलाइन एसोसिएशन सहारनपुर की इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए अनेकों पदाधिकारीगणों व सदस्यों ने अपने संबोधन में संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतू एंव जनहित व राष्ट्रहित पर चलने पर जोर दिया।

बैठक के दौरान राकेश कुमार शर्मा मंडल अध्यक्ष सहारनपुर मंडल, चंद्रशेखर दिक्षित जिलाध्यक्ष, अमित कुमार लूथरा महासचिव, चेतन शर्मा जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुमित कुमार लूथरा मुख्य सलाहकार, गौरव दीक्षित जिला महासचिव,प्रिंस परुथी कोषाध्यक्ष, राहुल पुंडीर जिला उप सचिव,संजय कुमार शर्मा पूर्व कोषाध्यक्ष, गौरव शर्मा जिला सचिव,निशांत वशिष्ठ एडवोकेट, मनोज त्यागी मीडिया प्रभारी, राजेश कुमार ढींगरा, दुर्गेश कुमार नागेश, प्रशांत वशिष्ठ, घनश्याम दास मंडल मीडिया प्रभारी मानवाधिकार एसोसिएशन सहारनपुर मंडल, आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# बैंक पेंशन अपडेशन को लेकर UFBU पर उठे सवाल, पेंशनरों ने मुख्य मांग बनाने की उठाई आवाज

**कमल पटनी**

**मध्य प्रदेशः** बैंक पेंशनरों की पेंशन अपडेशन की मांग को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। रतलाम निवासी अधिवक्ता एवं बैंक पेंशनर कमल पाटनी ने UFBU के हालिया सर्कुलर को लेकर आपत्ति जताते हुए पेंशन अपडेशन को आगामी बैंकिंग आंदोलन की प्रमुख मांग बनाने की मांग की है। पाटनी ने कहा कि UFBU के सर्कुलर में पांच दिवसीय बैंकिंग और अन्य लंबित मुद्दों को लेकर आंदोलन की बात कही गई है, लेकिन पेंशन अपडेशन को स्पष्ट रूप से प्रमुख मांग के रूप में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि दशकों से लंबित पेंशन अपडेशन को बार-बार 'Residual Issues' के दायरे में रखने के बजाय इसे प्राथमिकता क्यों नहीं दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में पेंशन व्यवस्था लागू हुए कई दशक बीत चुके हैं, जबकि इस दौरान कई द्विपक्षीय वेतन समझौते हो चुके हैं। इसके बावजूद पुराने बैंक पेंशनरों की पेंशन में वेतनमान के अनुरूप अपडेशन नहीं हुआ है। उनका कहना है कि इससे लंबे समय से सेवानिवृत्त पेंशनरों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कमल पाटनी ने UFBU के प्रमुख पदाधिकारियों से सवाल करते हुए कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था के लिए आंदोलन किए जा सकते हैं, तो पेंशन अपडेशन के लिए भी उसी स्तर पर आंदोलन क्यों नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि बैंक पेंशनर भी बैंकिंग व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं और सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें उनके अधिकारों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने RBI, LIC और सरकारी क्षेत्र में पेंशन अपडेशन की व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए बैंक पेंशनरों के लिए भी समय-समय पर पेंशन अपडेशन की मांग की। पाटनी के अनुसार, बैंक कर्मचारियों ने

अपने सेवाकाल में संस्थानों के विकास में योगदान दिया है और सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक एवं पर्याप्त पेंशन उनका अधिकार है। उन्होंने मांग की कि UFBU अपने सर्कुलर में पेंशन अपडेशन को प्रमुख मांग के रूप में शामिल करे और आगामी 28 से 30 सितंबर के प्रस्तावित आंदोलन में पांच दिवसीय बैंकिंग के साथ पेंशन अपडेशन को भी प्रमुख मुद्दा बनाया जाए।

पाटनी ने यह भी सुझाव दिया कि यदि पेंशनरों की मांग पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता है, तो विभिन्न बैंक पेंशनर संगठनों को एकजुट होकर पेंशन अपडेशन के लिए अलग आंदोलन शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज कार्यरत बैंक कर्मचारी भविष्य के पेंशनर हैं। इसलिए पेंशनरों के हितों से जुड़े मुद्दों का समाधान वर्तमान कर्मचारियों के हित से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने UFBU से पेंशन अपडेशन को प्राथमिकता देने की अपील की।

# निवेश में भारी मुनाफे का झांसा देकर 18.50 लाख की हुई ठगी, महाराष्ट्र से आरोपी हुआ गिरफ्तार

**राजपूत रंजीत**

**हरियाणाः** हांसी ऑनलाइन निवेश और शेयर ट्रेडिंग में अधिक मुनाफा दिलाने का लालच देकर 18.50 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में हांसी साइबर थाना पुलिस ने महाराष्ट्र से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.10 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ित से संपर्क कर उसे निवेश के नाम पर अपने जाल में फंसाया था। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान अशोक देवदिगा पुत्र श्रीनिवास देवदिगा निवासी न्यू पनवेल वेस्ट, जिला रायगढ़, महाराष्ट्र के रूप में हुई है। सहायक उप निरीक्षक रामबिलास के अनुसार, मई 2025 में आरोपी ने हांसी निवासी एक व्यक्ति से फेसबुक के जरिए संपर्क कर दोस्ती की। इसके बाद दोनों के बीच व्हाट्सएप पर बातचीत होने लगी।

आरोपी ने पीड़ित को USDT और शेयर ट्रेडिंग में निवेश करने पर कम समय में अच्छा खासा मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया। उसके झांसे में आकर पीड़ित ने एक ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट बनवाया। इसके बाद जून से अगस्त 2025 के बीच आरोपी द्वारा बताए गए अलग-अलग बैंक खातों में कुल 18 लाख 50 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए गए। रुपये जमा करने के बाद जब पीड़ित को अपेक्षित लाभ नहीं मिला और उसे ठगी का संदेह हुआ, तो उसने मामले की शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद साइबर थाना हांसी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने लेनदेन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र पहुंचकर अशोक देवदिगा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से 1 लाख 10 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस मामले में ठगी से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित सहयोगियों की भी जांच कर रही है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों के संपर्क में आने के बाद उनके बताए किसी भी निवेश या ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर बिना सत्यापन के पैसा ट्रांसफर न करें। शेयर बाजार, क्रिप्टोकरेंसी या USDT में असामान्य रूप से अधिक मुनाफे का दावा करने वाली योजनाओं से सावधान रहें और साइबर ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन या NCRP के माध्यम से शिकायत दर्ज कराएं।

# तोशाम में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का हुआ शुभारंभ

## 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' बनी थीम

**राजपूत रंजीत**

**हरियाणाः** तोशाम महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 की शुरूआत की गई। 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चलने वाले इस विशेष अभियान का उद्देश्य लोगों को पोषण, स्वास्थ्य और बच्चों के बेहतर विकास के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष अभियान की थीम 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है। एसडीएम संदीप कुमार के मार्गदर्शन तथा डीपीओ मंजू राणा और सीडीपीओ किरण के निर्देशन में तोशाम उपमंडल के गांव संडवा, बुसान सहित विभिन्न क्षेत्रों में पोषण माह को जनभागीदारी के साथ अभियान के रूप में संचालित किया जा रहा है। विभाग का प्रयास है कि आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल सरकारी सुविधा केंद्र न मानकर समुदाय की भागीदारी वाले पोषण और स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।

सुपरवाइजर पंकज और मनोज ने बताया कि अभियान के दौरान जीवन के पहले 1000 दिनों के

महत्व को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही संतुलित एवं पौष्टिक आहार को बढ़ावा देने पर विशेष जोर रहेगा। लोगों को भोजन में स्थानीय मोटे अनाज यानी श्री अन्न, दालें, हरी सब्जियां, फल और दूध जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका और लाइव रेसिपी प्रदर्शन जैसी गतिविधियां भी आयोजित होंगी। अभियान के तहत बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों पर ताजा और गर्म भोजन उपलब्ध कराने, साप्ताहिक मेनू के अनुसार भोजन में विविधता बनाए रखने तथा इसकी निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। वहीं सरपंचों, अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों की भागीदारी बढ़ाकर आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों को सक्रिय करने का प्रयास किया जाएगा।

0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए खेल आधारित गतिविधियों तथा होम विजिट को भी अभियान का हिस्सा बनाया गया है। इसके अलावा सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के शत-प्रतिशत पंजीकरण और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर रहेगा। पोषण माह के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों पर अन्नप्राशन दिवस, गोद भराई, सुपोषण दिवस, पोषण मेले और कुपोषित बच्चों के वजन की जांच सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने माताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और युवाओं से अपील की कि वे अपने आसपास के आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़कर अभियान में सक्रिय भागीदारी करें। अधिकारियों ने कहा कि जनसहयोग से ही 'सुपोषित हरियाणा-स्वस्थ हरियाणा' के लक्ष्य को प्रभावी रूप से हासिल किया जा सकता है।

# ट्रांसफर स्टेशन बनते ही बंद होगा पुल खुमरान का कूड़ा डलावघर

**घनश्याम दास**

**उत्तर प्रदेशः** सहारनपुर नगर निगम द्वारा ट्रांसफर स्टेशन तैयार किए जाने के बाद पुल खुमरान स्थित कूड़ा डलावघर को समाप्त किया जाएगा। यह आश्वासन नगरायुक्त शिपू गिरि ने व्यापारियों को दिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल डलावघर की दिन में दो बार सफाई कराई जा रही है। इसके साथ ही चूने का छिड़काव और आसपास सौंदर्यीकरण का कार्य भी कराया गया है।

नगरायुक्त बुधवार शाम नगर निगम के मां शाकुंभरी सभागार में व्यापारियों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में व्यापारियों ने जल निकासी, अतिक्रमण, सड़क के गड्ढों और सफाई सहित कई

समस्याएं उठाईं। नगरायुक्त ने सभी समस्याओं पर विभागवार चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में धोबीघाट के पास दसवां घाट पर शौचालय और महिलाओं के लिए स्नानघर बनवाने का मुद्दा भी उठाया गया। इस पर नगरायुक्त ने मुख्य अभियंता निर्माण को कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्य अभियंता ने बताया कि काली मंदिर से दसवां घाट तक पांवधोई नदी की रिटेनिंग वॉल और पटरी निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद समस्या का समाधान होने की उम्मीद है।

नगरायुक्त ने पुल खुमरान के पास सड़क के गड्ढे ठीक कराने तथा चौक फव्वारा पर कूलर लगवाने के भी निर्देश दिए। नगर स्वास्थ्य अधिकारी को नाले-नालियों की सफाई के बाद निकलने वाली सिल्ट तत्काल उठवाने को कहा गया। वहीं, बोमनजी रोड की खराब लाइटों को दुरुस्त कराने के लिए स्मार्ट सिटी को पत्र भेजने के निर्देश दिए गए।

पार्किंग स्थलों पर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने और विभिन्न क्षेत्रों में जल निकासी की व्यवस्था सुधारने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया। व्यापारियों ने सड़कों पर पुलिस विभाग द्वारा बनाई गई कथित अवैध चौकियों का मुद्दा भी बैठक में उठाया।

बैठक में अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, सहायक नगरायुक्त जेपी यादव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण शाह, पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा, सीटीओ संगीता गुप्ता सहित नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे। व्यापारियों की ओर से मुकुंद मनोहर गोयल, हरपाल सिंह, मनोज ठाकुर, अजय शर्मा, सिराज फारुखी, नुसरत साबरी, अंकित जैन, अनुराग मलिक, नरेश गोयल और सन्नी मल्होत्रा सहित अन्य लोग शामिल हुए।

# गिरिडीह में 'मिलाप बैठक', बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा के मुद्दों पर हुई चर्चा

**राजपूत रंजीत**

**झारखंडः** गिरिडीह जागो फाउंडेशन द्वारा क्राई (CRY) के सहयोग से बुधवार को अकदोनी खुर्द पंचायत भवन में किशोरियों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ 'मिलाप बैठक' का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के बीच संवाद और विश्वास को मजबूत करना तथा बच्चों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए पंचायत स्तर पर सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना था।

कार्यक्रम की शुरूआत जागो फाउंडेशन की नीलम देवी द्वारा सभी अतिथियों, किशोरियों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद जागो फाउंडेशन की किरण वर्मा ने मिलाप बैठक के उद्देश्य और इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा एवं विकास से जुड़े कई मुद्दे पंचायत स्तर तक प्रभावी रूप से नहीं पहुंच पाते हैं। ऐसे में बच्चों और पंचायत प्रतिनिधियों के बीच नियमित संवाद आवश्यक है।

जागो फाउंडेशन के बिरेन्द्र कुमार वर्मा ने बैठक के उद्देश्य एवं अपेक्षित परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर बच्चों से संबंधित समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए एक सुलभ एवं भरोसेमंद मंच तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने मुखिया एवं वार्ड सदस्यों से आग्रह किया कि पंचायत की बैठकों एवं अन्य सामुदायिक मंचों पर बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा, बाल विवाह, बाल श्रम, विद्यालय से जुड़ी समस्याओं

तथा किशोरियों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ सुना जाए।

उन्होंने कहा कि पंचायत, विद्यालय और समुदाय के बीच बेहतर समन्वय से बच्चों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समयबद्ध समाधान संभव है। मिलाप बैठक इसी साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अवधारणा पत्र के अनुसार, ऐसी बैठकें बच्चों को अपनी समस्याएं एवं सुझाव साझा करने का अवसर देने तथा PRI प्रतिनिधियों को बच्चों के मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से आयोजित की जाती हैं।

बैठक में अकदोनी खुर्द पंचायत के मुखिया ने बच्चों से जुड़े मुद्दों को पंचायत स्तर पर प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि पंचायत द्वारा बच्चों की समस्याओं को सुनने, संबंधित विभागों एवं संस्थाओं के साथ समन्वय करने तथा उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से समाधान की दिशा में प्रयास किया जाएगा। उन्होंने मिलाप बैठक में उठाए गए सुझावों पर अमल करने का आश्वासन भी दिया। बैठक के दौरान किशोरियों और अभिभावकों ने शिक्षा, सुरक्षा, किशोरियों की आवश्यकताओं तथा बच्चों से संबंधित विभिन्न स्थानीय मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। सभी प्रतिभागियों ने बच्चों की बात को पंचायत स्तर पर सुनने और उनके अधिकारों एवं शिक्षा से जुड़े मुद्दों के समाधान में सामूहिक भूमिका निभाने पर सहमति व्यक्त की।

कार्यक्रम में अकदोनी खुर्द पंचायत के सभी वार्ड सदस्य तथा 30 से अधिक किशोरियां एवं अभिभावक शामिल हुए। मिलाप बैठक में बच्चों की शिक्षा की निरंतरता, किशोरियों की शिक्षा एवं सुरक्षा, बाल विवाह एवं बाल श्रम की रोकथाम तथा बाल-अनुकूल पंचायत वातावरण निर्माण जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। ये विषय मिलाप बैठक के प्रमुख चर्चा बिंदुओं में भी शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में पंचायत प्रतिनिधियों, किशोरियों एवं अभिभावकों ने मिलकर यह संकल्प लिया कि बच्चों की समस्याओं को अनसुना नहीं किया जाएगा तथा पंचायत, विद्यालय, परिवार और समुदाय के संयुक्त प्रयासों से बच्चों के लिए सुरक्षित, सहयोगात्मक एवं बाल-अनुकूल वातावरण बनाने का प्रयास किया जाएगा।

# सहारनपुर में धूम-धाम से मनाया गया इंजीनियर्स डे

**घनश्याम दास**

**उत्तर प्रदेशः** सहारनपुर में नगर निगम कार्यालय में इंजीनियर्स डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर महापौर डॉ. अजय कुमार ने नगर निगम के अभियंताओं और पार्षदों के साथ केक काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की। महापौर ने महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण सुरेंद्र प्रसाद मिश्र समेत निर्माण और जलकल विभाग के इंजीनियरों को केक खिलाकर इंजीनियर्स डे की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विकास कार्यों में अभियंताओं और तकनीकी अधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए उनके समर्पण के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान महापौर डॉ. अजय कुमार ने देश के महान इंजीनियर और भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को याद किया। उन्होंने कहा कि सहारनपुर के सुनियोजित और सर्वांगीण विकास में अभियंताओं और तकनीकी टीम की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण

है। शहर की सड़कों, जल व्यवस्था, नालियों और दूसरे विकास कार्यों को धरातल पर उतारने में इंजीनियरों की मेहनत और तकनीकी दक्षता अहम भूमिका निभाती है।

महापौर ने कहा कि इंजीनियरिंग के इतिहास में यह दिन बेहद महत्वपूर्ण है और यह दिवस देश के विकास, तकनीकी प्रगति और बुनियादी ढांचे के निर्माण में इंजीनियरों के योगदान को सम्मान देने का अवसर है। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार और मुख्य अभियंता निर्माण सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने भी सभी इंजीनियरों की ओर से महापौर को बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एई मदन पाल, अधिशासी अभियंता जलकल विजय बहादुर सिंह, एई पवन कुमार, ललित गर्ग, अनूप कुमार, अनुज कुमार सहित नगर निगम के जेई मौजूद रहे। वहीं पूर्व सभापति मुकेश गक्खड़ और पार्षद राजू जाटव, वीरेंद्र उपाध्याय, सोपिन पाल, राजकुमार शर्मा, कपिल धीमान, राजेंद्र सिंह कोहली, चौधरी वीर सिंह सिद्धू समेत पार्षद प्रतिनिधि नीरज दिवाकर और अक्षु छाबड़ा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

# पोरसा में स्टेट हाईवे की हालत हुई खराब

## जोटई रोड पर पुल के नीचे गहरे गड्ढों से हादसे का बढ़ा खतरा

**अजय सिंह**

**मध्य प्रदेशः** पोरसा जोटई रोड पर निमार्णाधीन नए बाईपास पुल के नीचे सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है। पुल के नीचे अब तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं होने से यहां जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं। इन गड्ढों के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, आए दिन टमटम और छोटी गाड़ियां गड्ढों में फंसकर पलट जाती हैं, जबकि दोपहिया वाहन चालक भी फिसलकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। बारिश या सड़क पर पानी भरने के दौरान स्थिति और ज्यादा खराब हो जाती है। पानी जमा होने से गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं

लग पाता, जिससे हादसे का खतरा बढ़ जाता है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब होने के बावजूद अभी तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। जोटई रोड आगे उसेदघाट तक जाती है और उसेदघाट के पुल का निर्माण पूरा होने के बाद यह मार्ग उत्तर प्रदेश से सीधे जुड़ जाएगा। ऐसे में आने वाले समय में इस सड़क पर यातायात का दबाव बढ़ सकता है। स्थानीय लोगों की मांग है कि भविष्य की जरूरत को देखते हुए सड़क को बेहतर तरीके से विकसित किया जाए।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित निर्माण एजेंसी से मांग की है कि फिलहाल गड्ढों में भराव कराकर रास्ते को सुरक्षित बनाया जाए और इसके बाद पुल के नीचे पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए। आसिफ खान पठान ने कहा कि जोटई रोड के अलावा पुरानी बाईपास की स्थिति भी खराब है। दोनों जगह बड़े-बड़े गड्ढों के कारण वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। उन्होंने शासन और संबंधित विभाग से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की। व्यापार संघ के अध्यक्ष महावीर जैन ने भी सड़क की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि खराब सड़क के कारण व्यापारियों, वाहन चालकों और आम लोगों को रोज परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने जल्द गड्ढों का भराव कराने और सुरक्षित सड़क बनाने की मांग की। शहर कांग्रेस अध्यक्ष पोरसा अरविंद हिंडोलिया ने भी सड़क की खराब स्थिति को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सड़क की समस्या पर तत्काल ध्यान देकर इसकी मरम्मत कराई जानी चाहिए। वहीं, जगदीशगढ़ निवासी सुनील सखवार ने बताया कि वह इसी रास्ते से होकर गुजरते हैं और खराब सड़क के कारण कई बार साइकिल से गिरकर चोटिल हो चुके हैं। उन्होंने प्रशासन से जल्द सड़क को दुरुस्त कराने की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो यहां किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहेगी। लोगों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने की मांग की है।

# नगर पालिका ने 95 बकायादारों से वसूले चार लाख रुपये, बैंक के चार ऋण प्रकरणों में हुआ समझौता

**अजय सिंह**

**मध्य प्रदेशः** पोरसा सिविल न्यायालय पोरसा की स्थापना के बाद पहली बार न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का शुभारंभ न्यायाधीश योगेंद्र सिंह राजपूत खंडपीठ सदस्य सोमेश सिंह तोमर एडवोकेट ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर किया। इस अवसर पर राघवेंद्र सिंह भदोरिया, जडेंल सिंह तोमर एडवोकेट ,शैलेश सिंह तोमर एडवोकेट, मनोज शर्मा एडवोकेट, नरेंद्र गुप्ता एडवोकेट, अनिल तिवारी एडवोकेट सहित पोरसा के अभिभाषकगण एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे। लोक अदालत के दौरान विभिन्न श्रेणियों के मामलों में पक्षकारों के बीच आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया गया। महिला संबंधी अपराध18, मोटरयान

संबंधी मामले19, आपराधिक प्रकरण 17 सहित 55 से अधिक प्रकरणों का समझौते के आधार पर निपटारा किया गया।

वहीं, वित्तीय मामलों में भी लोक अदालत का सकारात्मक परिणाम सामने आया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, राजौधा शाखा के तीन बकायादारों ने छूट का लाभ लेते हुए समझौता किया और अपना ऋण चुकता किया। इसके अलावा मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के एक ऋण प्रकरण का भी समझौते के माध्यम से निराकरण हुआ। नगर पालिका पोरसा द्वारा भी लोक अदालत का लाभ उठाते हुए बकायादारों से करों की वसूली की गई। 35 संपत्ति कर के प्रकरणों में जबकि 60 जलकर बकायादारों ने छूट का लाभ लेते हुए अपना बकाया जमा किया,नगर पालिका ने चार लाख रूपए की बसूली की सिविल न्यायालय पोरसा की स्थापना के बाद आयोजित पहली नेशनल लोक अदालत में बड़ी संख्या में प्रकरणों के समझौते से निराकरण और बकाया राशि की वसूली से पक्षकारों को राहत मिली।

# बाढ़ प्रभावित गांवों में नाव से पहुंचे विधायक, पीड़ित परिवारों की सुनी समस्याएं

**मो. फि रोज आलम**

**बिहारः** अमदाबाद प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का रविवार को मनिहारी विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने नाव से भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड के पार दियारा, भवानीपुर खट्टी, दुगार्पुर सहित विभिन्न पंचायतों के बाढ़ प्रभावित गांवों का जायजा लिया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। नाव से प्रभावित गांवों में पहुंचे विधायक के समक्ष बाढ़ पीड़ित परिवारों ने अपनी परेशानियां रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि वे एक सप्ताह से अधिक समय से बाढ़ का दंश झेल रहे हैं। बाढ़ के कारण जनजीवन प्रभावित है और लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन की ओर से पर्याप्त राहत

सामग्री उपलब्ध नहीं कराए जाने की शिकायत भी विधायक से की।

मौके पर विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने बाढ़ पीड़ित परिवारों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों की परेशानी को गंभीरता से लिया जा रहा है। पीड़ित परिवारों को प्रशासन की ओर से समुचित राहत सामग्री उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक पहल की जाएगी। विधायक ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बाढ़ पीड़ित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने तथा जरूरतमंद लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। इस दौरान विधायक के साथ कई स्थानीय लोग एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। ग्रामीणों ने भी विधायक के समक्ष क्षेत्र की अन्य समस्याओं को रखा और जल्द राहत दिलाने की मांग की।

# रील और फोटो की राजनीति छोड़ें युवा

## जनता के सवालों पर नेताओं से मांगें जवाब

**इंद्रेश कुमार पांडे**

**उत्तर प्रदेशः** प्रयागराज आज के दौर में सोशल मीडिया पर नेताओं के साथ तस्वीरें और वीडियो साझा करने को राजनीतिक सक्रियता मानने की प्रवृत्ति पर लेखक अमित पाठक ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे केवल नेताओं के साथ फोटो खिंचवाने और सोशल मीडिया पर रील बनाने तक सीमित न रहें, बल्कि जनता के वास्तविक मुद्दों को उठाकर जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगें।

अमित पाठक ने कहा कि किसी मंत्री, विधायक या बड़े नेता के साथ मुलाकात के दौरान तस्वीर खिंचवाना आसान है, लेकिन जनता की समस्याओं को जनप्रतिनिधियों के सामने रखना और उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करना ही वास्तविक

राजनीतिक सक्रियता है। उनके अनुसार, केवल सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किसी नेता से मुलाकात को बड़ी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं है, जब तक यह स्पष्ट न हो कि मुलाकात में किन मुद्दों पर चर्चा हुई और उसका क्या परिणाम निकला।

उन्होंने कहा कि युवाओं को राजनीति में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, लेकिन इसका उद्देश्य केवल सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करना नहीं होना चाहिए। युवाओं को व्यवस्था को समझने, जनता की समस्याओं को जानने और उनके समाधान के लिए काम करने पर ध्यान देना चाहिए।

पाठक के मुताबिक, क्षेत्र की सड़क, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार और प्रशासन से जुड़े मुद्दे युवाओं की राजनीतिक पहचान का आधार बनने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी नेता के साथ खड़े होकर तस्वीर खिंचवाने के बजाय यह बताना अधिक महत्वपूर्ण है कि जनता की किस समस्या को लेकर जनप्रतिनिधि से संपर्क किया गया, वहां से क्या आश्वासन मिला और उसके बाद उस पर कितना काम हुआ।

उन्होंने कहा कि सत्ता के करीब दिखाई देना आसान है, लेकिन सत्ता से सवाल करना कठिन है। लोकतंत्र को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो कठिन रास्ता चुनकर जनता की आवाज बनें और जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगें। अमित पाठक ने कहा कि राजनीति को फोटो एलबम या सोशल मीडिया की लोकप्रियता से नहीं मापा जाना चाहिए। रील और पोस्ट की लोकप्रियता कुछ समय तक रह सकती है, लेकिन जनता से जुड़े मुद्दे लंबे समय तक महत्वपूर्ण रहते हैं।

उन्होंने युवाओं के सामने सवाल रखते हुए कहा कि उन्हें नेताओं के साथ दिखाई देना है या जनता के साथ खड़ा होना है और सत्ता के करीब दिखना है या सत्ता से सवाल करना है, इसका फैसला उन्हें स्वयं करना होगा। पाठक ने कहा कि आने वाली राजनीति को केवल चेहरों की नहीं, बल्कि चरित्र और विचारों की जरूरत है। उन्होंने युवाओं से रील की राजनीति से आगे बढ़कर जनता के सवालों और उनके समाधान की दिशा में काम करने की अपील की।

# हरिओम पर आठ मुकदमे दर्ज, अटसलिया ओवरब्रिज के पास ओम गुप्ता के कब्जे से तमंचा-कारतूस हुआ बरामद

**अभय**

**उत्तर प्रदेशः** शाहजहांपुर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रोजा पुलिस ने बुधवार को दो अलग-अलग कार्रवाइयों में गैंगस्टर एक्ट के वांछित आरोपी समेत दो युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने एक आरोपी को उसके घर से पकड़ा, जबकि दूसरे के कब्जे से 315 बोर का तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया। दोनों मामलों में पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

**गैंगस्टर एक्ट में वांछित हरिओम गिरफ्तार**

रोजा पुलिस के अनुसार, सात अगस्त को थाना रोजा में गैंगस्टर एक्ट की धारा 2/3 के तहत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी मामले में वांछित हरिओम पुत्र इंद्रपाल, निवासी तुकीखेंड़ा, थाना रोजा की पुलिस तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बुधवार सुबह करीब 11:20 बजे उसके मकान से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, करीब 24 वर्षीय हरिओम के खिलाफ रोजा, अल्हागंज, पुवायां, तिलहर और सेहरामऊ दक्षिणी थानों में चोरी समेत विभिन्न धाराओं में कुल आठ मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू की।

**तमंचे और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार**

दूसरी कार्रवाई में रोजा पुलिस ने आदर्श नगर कॉलोनी निवासी ओम गुप्ता पुत्र रमेश चंद्र गुप्ता को ग्राम अटसलिया ओवरब्रिज के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, 15 सितंबर की रात करीब 8:16 बजे मुखबिर की सूचना पर की गई कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

इस मामले में थाना रोजा में मुकदमा संख्या 417/26, धारा 3/25 शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

**इन पुलिसकर्मियों की रही भूमिका**

कार्रवाई करने वाली टीम में थानाध्यक्ष उमेश कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक विनित कुमार, विजय कुमार, शिवम अग्रवाल, कांस्टेबल विकास नागर, नितिन कुमार, वसंत कुमार और महिला आरक्षी कोमल शामिल रहीं।

# रामपुर मनिहारान में व्यापारियों ने कोतवाली प्रभारी से रखीं बाजार की समस्याएं

**घनश्याम दास**

**उत्तर प्रदेशः** रामपुर मनिहारान में पश्चिमी व्यापारी एकता व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार से मुलाकात कर बाजार की विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की। सोमवार 14 सितंबर को प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह वर्मा और प्रदेश महासचिव अनुज गुप्ता के निर्देश पर प्रदेश उपाध्यक्ष रवि कुमार के नेतृत्व में व्यापार मंडल की टीम कोतवाली पहुंची। प्रतिनिधिमंडल ने बाजार में लगातार लगने वाले जाम और ई-रिक्शा की वजह से व्यापारियों को होने वाली परेशानी का मुद्दा उठाया। व्यापारियों ने बताया कि बाजार में दिन-रात जाम की स्थिति बनी रहती है। इसके साथ ही चोरी की घटनाओं को लेकर भी चिंता जताई गई। व्यापार मंडल ने नगर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कायस्थान मोहल्ला, आर्य समाज मंदिर, प्राचीन

सिद्धपीठ मंदिर ठाकुरद्वारा और रामलीला मैदान के पास स्थायी पुलिस व्यवस्था की मांग रखी।

इसके अलावा व्यापारियों ने रात करीब 8 बजे बाजार और नगर में पुलिस गश्त बढ़ाने तथा दुकानों के आसपास घूमने वाले शरारती तत्वों पर कार्रवाई की मांग की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने व्यापारियों की समस्याओं को ध्यान से सुना और संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि व्यापारियों और व्यापार संगठन की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को सुरक्षा और यातायात व्यवस्था में सुधार का आश्वासन दिया। इस दौरान नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र तोमर, सरदार पलविंदर सिंह, संजय गुप्ता, फिरोज बहादुर, पूर्व सभासद शाहान अहमद, वरिष्ठ समाजसेवी जमील अहमद, विजय शर्मा, सुधीर सैनी, सूरज प्रजापति, कृष्ण कुमार, सचिन कुमार, रिपोर्टर वरदान कोरी और अनूप सिंह सैनी समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

# कुतुबपुर के नैतिक सैनीवाल ने एशियाई गोल्ड मेडलिस्ट को हराकर जीता स्वर्ण पदक

**राजपूत रंजीत**

**हरियाणाः** हांसी गांव कुतुबपुर के युवा बॉक्सर नैतिक सैनीवाल ने बॉक्सिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हरियाणा में आयोजित सीबीएसई जोन-2 बॉक्सिंग चैंपियनशिप-2026 के अंडर-17 वर्ग में नैतिक ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए एशियाई स्तर के गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी को मात देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में करीब 3,000 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबलों के बीच नैतिक ने अपनी फुर्ती, तकनीक और दमदार पंचों के दम पर प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए चैंपियनशिप में पहला स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से कुतुबपुर सहित पूरे हांसी क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्वर्ण पदक जीतने के बाद गांव लौटे नैतिक का ग्रामीणों और युवाओं ने जोरदार स्वागत किया। खरड़ अलीपुर से

कुतुबपुर तक युवाओं ने बाइक रैली निकाली। डीजे और ढोल-नगाड़ों के साथ निकली रैली में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए और नैतिक का उत्साह बढ़ाया।

गांव पहुंचने पर सरपंच अजय पवार और पूर्व सरपंच शेर सिंह मुंजर ने नैतिक को पगड़ी पहनाकर तथा फूल-मालाओं से सम्मानित किया। ग्रामीणों ने उनकी उपलब्धि पर खुशी जताते हुए भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। नैतिक सैनीवाल ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर हरियाणा का नाम रोशन करना है।

उन्होंने युवाओं को खेलों से जुड़ने और नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए कहा कि हरियाणा के युवाओं को नशे की बजाय खेलों में आगे बढ़कर प्रदेश के लिए पदक जीतने चाहिए। इस अवसर पर युवा सामाजिक कार्यकर्ता राहुल शर्मा ने भी नैतिक को बधाई दी। उन्होंने ग्रामीण युवाओं से खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील करते हुए कहा कि गांवों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है।

# खेल सुविधाओं एवं संसाधनों के अभाव में दर-दर भटक रहे ग्रामीण क्षेत्र के खेल व खिलाड़ी : अमरजीत यादव

**अमरजीत यादव**

**उत्तर प्रदेशः** हमारे देश में ज्यादा जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती हैं लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा स्वास्थ्य सुरक्षा व खेल की सुविधाओं एवं संसाधनों का भारी अभाव बना रहता है भगत सिंह खेल अकादमी निजामाबाद राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने कहा कि खेल की दुनिया में अपने देश व तिरंगे के सम्मान में सबसे बड़ा समर्पण व त्याग हांकीं के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी का नाम सबसे ऊपर आता है।

एक सामान्य से परिवार में पैदा होकर गुलामी के दौरान भी अपने अदम्य साहस व खेल प्रतिभा के बल पर देश को ओलंपिक में मेडल दिलाकर देश का गौरव बढ़ाने वाले मेजर ध्यानचंद जी को अभी तक जो सम्मान मिलना चाहिए वह नहीं मिला देश में बहुत सारी बातें केवल न्यूज चैनल समाचार पत्रों तथा राज नेताओं के

भाषणों में खूब चलती है, लेकिन अगर इनको धरातल पर उतरना हो तो जो लोग हमेशा शोर मचाने का काम करते हैं।

उनकी भी रूह कांप जाती है जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण है कि देश में लगभग 85/ आवादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती हैं मेजर ध्यानचंद जी के जन्मदिन को हमारे देश में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है लेकिन आज तक कभी मेजर साहब को भारत रत्न तक नहीं मिला ध्यान चन्द जी के सपनों का भारत तब तक नहीं दिखेगा।

जब तक ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को कुश्ती कबड्डी एथलेटिक्स हांकी वालीवाल आदि खेलों को आगे बढ़ाकर ग्रामीण क्षेत्र के बालक एवं बालिकाओं को खेल की दुनिया में जिला मण्डल राज्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक खेलने के लिए समस्त सुविधा एवं संसाधन उपलब्ध नहीं हो जाते तब तक मेजर साहब के सपनों के भारत की झलक नहीं दिखाई देगी ऐसी स्थिति में सिर्फ मेजर ध्यानचंद जी एवं हांकी खेल का ही अपमान नहीं बल्कि पूरे देश के समस्त खेल खिलाड़ी और खेल प्रेमियों का अपमान है।

भगत सिंह खेल अकादमी संस्थापक पहलवान अमरजीत यादव ने कहा कि हमारे देश में जो सुविधाएं ओलंपिक एशियन एवं राष्ट्र मण्डल से आने के बाद जो धन वर्षा होती है उसी के द्वारा ग्रामीण अंचलों से खिलाड़ियों को निखारने और आगे बढ़ाने के सुविधा एवं संसाधन लगाकर खिलाड़ी तैयार किया जाए तो हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है सिर्फ कमी है।

उसे पहचानने और निखारने की भगत सिंह खेल अकादमी संचालक अमरजीत यादव ने कहा कि भगत सिंह खेल अकादमी के समस्त सदस्यों ने यह संकल्प लिया है कि आजमगढ़ में हर ब्लाक में खेल खिलाड़ी संकल्प जागरूकता अभियान के द्वारा भगत सिंह खेल अकादमी से जोड़कर बालकों के बराबर ही बालिकाओं को भी अवसर उपलब्ध कराकर देश के सम्मान एवं बिकास में अपना योगदान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा अमरजीत यादव ने कहा कि खेल से जुड़ने के बाद खिलाड़ियों के अंदर अनुशासन एवं नैतिकता के विकास के साथ देश भक्ति एवं स्वाभिमान का बिकास होता है।

समस्त खिलाड़ियों खेल प्रेमियों को मेजर ध्यानचंद जी को उचित सम्मान दिलाने के लिए भारत रत्न मिलना चाहिए अगर भारत रत्न नहीं मिलता है तो समस्त खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी आंदोलन की रणनीति के लिए बाध्य होंगे भारत में खेल को बढ़ावा देने के लिए हर गांव में खेल मैदान तथा खेल संसाधन का होना अति आवश्यक है।

## सम्पादकीय

# डॉ.बुशरा बानो के साथ खड़े रहने का वक्त

प.बंगाल की आईपीएस अधिकारी डॉ. बुशरा बानो प. मेदिनीपुर के खड़गपुर में एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के तौर पर काम कर रही थीं। अब उनका तबादला कर दिया गया है। उन्हें स्टेट आर्म्ड पुलिस की चौथी बटालियन का डिप्टी कमांडेंट नियुक्त किया गया है। सरकारी-प्रशासनिक सेवाओं में तबादले आम बात है, इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन डॉ.बुशरा बानो का तबादला महज सरकारी प्रक्रिया नहीं है, यह एक मुसलमान महिला अधिकारी के प्रति सरकार की नफरत का निस्संकोच इजहार है।

विपक्ष जब कहता है कि संविधान खतरे में है, राहुल गांधी जब कहते हैं कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने वे निकले हैं, तो ये सब महज बयानबाजी नहीं है, इसके गहरे निहितार्थ हैं। संविधान ने सबको समानता का अधिकार दिया है। समानता का मतलब यह कि किसी भी नागरिक के साथ धर्म, जाति, भाषा, लिंग, आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। सत्ता पर बैठे लोगों से सबसे पहले उम्मीद की जाती है कि वे संविधान की गरिमा को हर हाल में बनाए रखेंगे, ताकि जनता भी उनसे प्रेरणा लेकर संविधान के अनुकूल व्यवहार करे। अगर ऐसा होने लगे तो देश को सही अर्थों में खुशहाल बनने में जरा वक्त नहीं लगेगा। लेकिन भाजपा की प्राथमिकता में देश की खुशहाली कहीं नजर नहीं आती। उसे केवल हिंदुत्व का आतंक कायम करना है, ताकि नफरत के दम पर उसकी सत्ता बची रहे। बुशरा बानो प्रकरण इसी आतंक की एक बानगी है।

दरअसल बुशरा बानो ने एक निजी वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने यूपीएससी की तैयारी करने वालों का हौसला बढ़ाया। 13 सितंबर के वीडियो में, 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी बुशरा बानो ने बताया कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की रेजिडेंशियल कोचिंग एकेडमी (आरसीए) ने उन्हें यूपीएससी की तैयारी में मदद की। उन्होंने कहा कि वे खुद से यूपीएससी की तैयारी कर रही थीं, लेकिन आरसीए ने जो पाठ्य सामग्री, परीक्षा के पर्चे आदि उपलब्ध करवाए, उससे उन्हें मदद मिली। उन्होंने यूपीएससी देने वाले अभ्यर्थियों को सलाह दी कि वे भी आरसीए की सुविधाओं का लाभ उठाएं और अपने वतन की खिदमत करें। इस वीडियो में बुशरा बानो ने वंदे मातरम या जय हिंद नहीं कहा, लेकिन शुरूआत उन्होंने अस्सलामुअलैकुम से की, बीच में कहीं इंशाअल्लाह कहा और आखिर में जजाकल्लाह कहा। पाठकों जानते हैं कि नमस्कार, सतश्रीअकाल, हैलो, जय सियाराम, जय जिनेन्द्र की तरह अस्सलामुअलैकुम अभिवादन का एक तरीका है, इसका मतलब होता है 'आप सलामत रहेंइ। इंशाअल्लाह का मतलब है 'भगवान की मर्जी हुई तो' यानी होइहि सोइ जो राम रचि राखा और जजाकल्लाह का मतलब है 'अल्लाह आपको (इसका) अच्छा इनाम दे यानी जुग जुग जियो, भगवान तुम्हारा भला करे, रब राखा जैसा सद्वचन। अस्सलामुअलैकुम, इंशाअल्लाह और जजाकल्लाह में कुछ भी गैरकानूनी नहीं है। लेकिन दूसरे धर्मों खासकर इस्लाम से घृणा करने वाले चंद कट्टर हिंदुओं ने उर्दू, फारसी, अरबी भाषा को भी शायद गैरकानूनी मानना शुरू कर दिया है, इसलिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के एक हैंडल 'हिंदू लीगल फंड' ने इस वीडियो की शिकायत बंगाल के गृह सचिव से।

## झूठे आंकड़ों की गूंज!

**शिवेश गर्ग**

अर्थव्यवस्था के दूसरे सभी मापदंड सरकार की ओर से बताए गए जीडीपी के इस दर की गवाही नहीं दे रहे हैं। अगर रोजगार और निवेश जैसे दो अहम मापदंडों की बात करें तो जब अर्थव्यवस्था इतनी तेज गति से आगे बढ़ रही है तो मुल्क में गुणवत्ता वाली अच्छी नौकरियां क्यों नहीं पैदा हो रही है। मुल्क में बेरोजगारी की दर आज चरम पर है। और न ही विदेशी और निजी निवेश में कोई बढ़ोतरी दर्ज की गयी है।

तो क्या यह महज संयोग की बात है मोदी सरकार जो भी आंकड़े लेकर आ रही है वह सवालों के घेरे में आ जा रहा है। चंदा चोरी और कॉकरोच आंदोलन के बरअक्स लगातार फजीहत झेलने के बाद अभी चार दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आंखें चमका-चमका कर भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े जीडीपी के आंकड़े मुल्क को ऐसे बतला रहे थे गोया उन्हें कोई जादुई चिराग हाथ लग गया हो।

सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की जीडीपी बढ़ोतरी दर 7.8 प्रतिशत रही। यों तो चींटी जैसे छोटे प्राणी को छोड़कर तिनका कभी किसी डूबते के लिए सहारा नहीं बन सकता। मगर प्रधानमंत्री इस आंकड़े को लेकर जिस अंदाज में इंस्टाग्राम वीडियो जारी कर जब मुल्क को संबोधित कर रहे थे तब तो ऐसा ही लगा जैसे किसी डूबते को तिनके का सहारा मिल गया हो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा कि- दुनिया, युद्ध-संकट, सप्लाई चेन में बाधा और कोविड के बाद की आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने मुल्क की जनता को विदेश यात्रा न करने और सोना खरीदने की फिर से नसीहत दी। इस मौके पर भी वे गांधी परिवार और खासतौर से राहुल गांधी को लेकर अपनी परंपरागत कुंठा को छिपा नहीं सके। उन्होंने 'निराशा फैलाने वालोंइ और 'झूठ की गूंज' जैसे जुमलों को इस्तेमाल किया जो सीधे तौर पर कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी की ओर इशारा था।

वैसे, प्रधानमंत्री का इंस्टाग्राम वाला यह बयान इस मायने में भी विरोधाभासी है कि अगर मुल्क इस रफ्तार से तरक्की कर रही है, तो आखिर मुल्क की जनता को विदेश भ्रमण न करने और सोना न खरीदने की नसीहत क्यों दी जा रही है। जाहिर है जीडीपी को लेकर सरकार की ओर से जो ताजा आंकड़े पेश किए गए हैं, वे झूठे हैं। इन झूठे आंकड़ों पर सबसे वाजिब सवाल उठाया है पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग ने। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पहेल जीडीपी करीब 86.05 लाख करोड़ बतायी गई थी, लेकिन नए वित्त-वर्ष की उसी तिमाही का यह आंकड़ा घटकर तकरीबन 80 लाख करोड़ रह गया है यानि करीब 6 लाख करोड़ से ज्याद का ही अंतर है। सुभाष गर्ग के मुताबिक यह आंकड़ा असल में 2.6 प्रतिशत का है। उनका मौलिक सवाल है कि पिछले साल के आंकड़ों में इतना बड़ा संशोधन क्यों हुआ और इसका मौजूदा बढ़ोतरी दर पर क्या असर पड़ा?

एक पुरानी कहावत है कि झूठ तीन प्रकार के होते हैं- झूठ, सफेद झूठ और आंकड़े। असल में यह बाजीगरी जीडीपी के गणना के तरीके के साथ की गयी है। सवाल है कि जिस तरीके से सरकार ने जीडीपी की गणना की है क्या वह मुल्क की सभी आर्थिक गतिविधियों को समाहित कर पाया है? अर्थव्यवस्था के दूसरे सभी मापदंड सरकार की ओर से बताए गए जीडीपी के इस दर की गवाही नहीं दे रहे हैं। अगर रोजगार और निवेश जैसे दो अहम मापदंडों की बात करें तो जब अर्थव्यवस्था इतनी तेज गति से आगे बढ़ रही है तो मुल्क में गुणवत्ता वाली अच्छी नौकरियां क्यों नहीं पैदा हो रही है। मुल्क में बेरोजगारी की दर आज चरम पर है। और न ही विदेशी और निजी निवेश में कोई बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। असंगठित क्षेत्र तकरीबन बबार्दी के कगार पर पहुंच चुका है। मोदी सरकार की ओर से असंगठित क्षेत्र को दिए गए नोटबंदी, जीएसटी, कोरोना महामारी जैसे तमाम झटकों के बावजूद आज भी मुल्क मे तकरीबन 85 फीसदी से अधिक रोजगार असंगठित क्षेत्र ही पैदा करता है। जानकारों का मानना है कि जब अर्थव्यवस्था को लगातार इस तरह के गैरवाजिब झटकों का समाना करना पड़ा हो, संगठित क्षेत्र के संकेतकों के आधार पर असंगठित क्षेत्र की गतिविधियों का अनुमान करना आंकड़ों की बाजीगरी ही है। बहरहाल, दूसरी ओर जिस चीज में तेजी से बढ़ोतरी हुई है वह आवश्यक वस्तुओं की महंगाई है। बीते दिनों में दूध, चीनी, प्याज और अंडे की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। चीन 56 रुपये के बढ़कर 62 रुपये तक आ गई है। दूध की कीमत अब 93 रुपये से बढ़कर 102 रुपये पहुंच गई है।

# ट्रम्प से निपटने में भारत की मोल-भाव करने की ताकत बढ़ी

**नित्य चक्रवर्ती**

> ट्रम्प इस साल दिसंबर में मियामी में जी-20 बैठक की मेजबानी कर रहे हैं। इस बात की संभावना है कि उसी समय के आसपास क्वैड का शिखर सम्मेलन भी हो सकता है, जिसका मतलब है कि भारत इसका मेजबान नहीं होगा, जैसा कि पहले तय किया गया था। छह हफ्ते बाद, 3 नवंबर को अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होंगे। अगर संकेत सही साबित होते हैं और रिपब्लिकन पार्टी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में हार जाती है, तो ट्रंप पर भारी दबाव होगा। 2028 में उनका कार्यकाल खत्म होने तक उनकी राष्ट्रपति पद को कोई खतरा नहीं है, लेकिन 2028 के राष्ट्रपति चुनावों को ध्यान में रखते हुए ट्रंप को घरेलू मुद्दों पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

चीन के बाद ब्रिक्स में भारत दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। शिखर सम्मेलन में चीन, भारत और रूस के बीच की दोस्ती ने निश्चित रूप से ट्रम्प को चिंता में डाला होगा। इसी तरह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान और यूएई के बीच मध्यस्थता में भारत की भूमिका पर भी ध्यान दिया होगा। ब्रिक्स बैठक ने संकेत दिया कि वैश्विक भू-राजनीति की दिशा तय करने का एकतरफा अधिकार केवल अमेरिका के पास नहीं है।

और 13 सितंबर को नई दिल्ली में हुई 18वीं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत को वैश्विक दक्षिण में अपना खोया हुआ रुतबा वापस पाने में मदद की है। यह रुतबा 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ समय बाद ही कम हो गया था। ठीक बारह साल बाद, उन्हीं नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स की विस्तारित बैठक की मेजबानी की और अपनी कूटनीतिक कुशलता दिखाई। उन्होंने आम सहमति के आधार पर संयुक्त घोषणा-पत्र सुनिश्चित किया, ईरान और पश्चिम एशिया में परस्पर विरोधियों के बीच सुलह कराई, बिना अमेरिका का नाम लिए डोनाल्ड ट्रम्प को वैश्विक दक्षिण की ओर से उनके एकतरफा टैरिफ कदमों और व्यापार युद्ध पर कड़ा विरोध जताया, और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं, जिसमें आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर जोर देने के साथ-साथ भारत की अहम सीमाओं पर भी जोर दिया गया।

चीन के बाद ब्रिक्स में भारत दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। शिखर सम्मेलन में चीन, भारत और रूस के बीच की दोस्ती ने निश्चित रूप से ट्रम्प को चिंता में डाला होगा। इसी तरह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान और यूएई के बीच मध्यस्थता में भारत की भूमिका पर भी ध्यान दिया होगा। ब्रिक्स बैठक ने संकेत दिया कि वैश्विक भू-राजनीति की दिशा तय करने का एकतरफा अधिकार केवल अमेरिका के पास नहीं है। ब्रिक्स बहुपक्षवाद में विश्वास करता है, और ब्रिक्स समूह की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाएं - भारत, रूस और चीन- भी इसी सोच को साझा करती हैं।

क्या ब्रिक्स बैठक के दौरान मोदी के प्रदर्शन का मतलब यह है कि वह ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं? इसका जवाब है - बिल्कुल नहीं। नरेंद्र मोदी पक्के तौर पर आरएसएस से जुड़े रहे हैं। वह दक्षिणपंथी भाजपा का चेहरा हैं। ट्रम्प खुद को वैश्विक दक्षिणपंथी खेमे का असली नेता मानते हैं। उनमें कई समानताएं हैं। लेकिन, साथ ही, नरेंद्र मोदी एक गर्वित राष्ट्रवादी भी हैं जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और सबसे बड़े घरेलू बाजार वाले देश का नेतृत्व कर रहे हैं। ब्रिक्स बैठक के बाद नरेंद्र मोदी का बढ़ा हुआ कद उन्हें आने वाले दिनों में डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मजबूत स्थिति से बातचीत करने में मदद करेगा।

ट्रम्प इस साल दिसंबर में मियामी में जी-20 बैठक की मेजबानी कर रहे हैं। इस बात की संभावना है कि उसी समय के आसपास क्वैड का शिखर सम्मेलन भी हो सकता है, जिसका मतलब है कि भारत इसका मेजबान नहीं होगा, जैसा कि पहले तय किया गया था। छह हफ्ते बाद, 3 नवंबर को अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होंगे। अगर संकेत सही साबित होते हैं और रिपब्लिकन पार्टी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में हार जाती है, तो ट्रंप पर भारी दबाव होगा। 2028 में उनका कार्यकाल खत्म होने तक उनकी राष्ट्रपति पद को कोई खतरा नहीं है, लेकिन 2028 के राष्ट्रपति चुनावों को ध्यान में रखते हुए ट्रंप को घरेलू मुद्दों पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

इसलिए, भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की अंतिम शर्तों पर बातचीत करने के लिए बेहतर स्थिति में होगा, जो कि अंतिम रूप दिए जाने के चरण में है। साथ ही, क्वैड बैठक के संबंध में, बीजिंग में अपने पिछले शिखर सम्मेलन के बाद से ही ट्रंप ने भारत-प्रशान्त क्षेत्र में अमेरिकी प्राथमिकता को कम कर दिया है। इसलिए, क्वैड बैठक बिना किसी खास महत्व के सिफ एक सामान्य कार्यक्रम बन कर रह सकती है। भारत सहयोगी बने रहते हुए भी अमेरिका के सामने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर देने में सहज महसूस करेगा, और 2025 और 2026 के शुरूआती समय के मुकाबले बेहतर स्थिति में होगा।

भारत-चीन संबंधों में सुधार के अलावा, शी-मोदी द्विपक्षीय बैठक की बातों और शी द्वारा कही गई बातों के महत्व पर ध्यान देना दिलचस्प होगा। भारतीय प्रधानमंत्री ने शी के साथ अपनी बैठक में सीमा से जुड़े मुश्किल मुद्दे पर जोर दिया। लेकिन शी कुछ और ही योजना लेकर आए थे। चीनी नेता भारत को चीन के दबदबे वाली वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भागीदार बनाने की संभावना पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। चीनी अधिकारी भारत और चीन दोनों के लिए फायदेमंद स्थिति की बात कर रहे हैं, अगर ब्रिक्स की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इस नेक कोशिश में सहयोग करती हैं। इसका मतलब होगा भारत में ज्यादा चीनी निवेश और साथ ही, ज्यादा भारतीय वैश्विक निर्यात।

भारतीय अधिकारियों को चीनी प्रस्ताव की बारीकी से जांच करनी होगी और यह देखना होगा कि भारत को क्या फायदे हो सकते हैं, और क्या चीन से कोई सुरक्षा खतरा है। इसी तरह, ओपन-सोर्स एआई प्लेटफॉर्म के लिए शी का एक्शन प्लान अमेरिका के लिए एक चुनौती है। भारतीय पक्ष को शी के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव के सभी पहलुओं पर विचार करना होगा, क्योंकि भारतीय भी वैश्विक स्तर पर एआई के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाते हैं। शी की बातों से यह साफ था कि अगले पांच सालों के लिए भारत के साथ चीन की प्राथमिकता आर्थिक सहयोग है। इसमें ज्यादा व्यापार और निवेश शामिल हैं। सीमा और अरुणाचल को लेकर मतभेदों जैसे राजनीतिक मुद्दे मौजूदा स्थिति में ही बने रहेंगे, या जिसे कई चीनी जानकार 'रणनीतिक गतिरोधइ कहते हैं, वैसी ही स्थिति रहेगी। चीन यह पक्का करेगा कि शांति बनी रहे, ताकि आर्थिक सहयोग में राजनीतिक अड़चनें न आएं।

कुल मिलाकर, ब्रिक्स नई दिल्ली शिखर सम्मेलन से भारत के लिए संदेश यह है कि नरेंद्र मोदी को अमेरिका और चीन, दोनों के संबंध में भारत की विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता का इस्तेमाल करते समय ज्यादा मजबूती दिखानी होगी। जहां तक रूस की बात है, तो 1991 में सोवियत संघ के टूटने से पहले और उसके बाद भी रूस के साथ भारत के गहरे भावनात्मक और संरचनात्मक संबंध हैं। अपने कार्यकाल के शुरूआती वर्षों में नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, जो निराशाजनक था। लेकिन तीसरे कार्यकाल में खाड़ी संकट के कारण भारत को रूस से बड़ी मात्रा में तेल आयात करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पिछले दो वर्षों में रूस ने भारत को भुगतान संतुलन के संकट से निपटने में मदद की है। अब भारत सरकार को रक्षा सौदों और पेट्रोलियम आयात बढ़ाने के अलावा रूस के साथ सहयोग के अन्य क्षेत्रों का भी विस्तार करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास अब भारतीय विदेश नीति को नया रूप देने और उसे अधिक स्वतंत्र आधार पर स्थापित करने का एक बड़ा अवसर है। साथ ही, उन्हें रणनीतिक स्वायत्तता के आधार पर तीनों बड़ी ताकतों-अमेरिका, चीन और रूस- के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने होंगे। ब्रिक्स के नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में भारत को जो लाभ मिले हैं, प्रधानमंत्री उनका किस तरह उपयोग करते हैं, इस पर दुनिया भर के पर्यवेक्षकों की पैनी नजर रहेगी। खासकर इसलिए भी क्योंकि चीन भारत से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा और 2027 में शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

# नया तेल संकट ज्यादा दूर नहीं

**अरविन्द मोहन**

ईरान और सऊदी अरब सचमुच दुश्मन की तरह लड़ रहे हैं और अगर वे शांति की घोषणा के पक्ष में आते हैं तो यह ब्रिक्स की बड़ी सफलता थी। लेकिन दिल्ली की बैठक शुरू होने के पहले ही ईरान और अमेरिका फिर से उलझ कर पश्चिम एशिया के संकट के साथ तेल की कीमतों में नई आग लगा चुके थे। होर्मुज एक बार फिर तेलवाहक जहाजों के लिए संकट का मार्ग बन गया है।

यह कहना तो सरासर गलत होगा कि नई दिल्ली में हुए ब्रिक्स सम्मेलन और उसमें जुटे दिग्गजों को दुनिया की खबर न होगी और यमन के हुती विद्रोहियों की जीत का पता न होगा। या फिर खाड़ी में फिर से जंग की स्थिति और सऊदी तेल ठिकानों पर बमबारी से कीमतों में उछाल का पता न होगा। दुनिया की खबर में तो ईरान, रूस और चीन ही नहीं सऊदी अरब भी बड़ा साझीदार हैं और दिल्ली सम्मेलन ने दूसरे देश पर हमला जैसे भारी विवादास्पद मामले में ईरान और सऊदी अरब के बीच एक घोषणापत्र पर सहमति बनाकर दुनिया को चौंकाया भी।

ईरान और सऊदी अरब सचमुच दुश्मन की तरह लड़ रहे हैं और अगर वे शांति की घोषणा के पक्ष में आते हैं तो यह ब्रिक्स की बड़ी सफलता थी। लेकिन दिल्ली की बैठक शुरू होने के पहले ही ईरान और अमेरिका फिर से उलझ कर पश्चिम एशिया के संकट के साथ तेल की कीमतों में नई आग लगा चुके थे। होर्मुज एक बार फिर तेलवाहक जहाजों के लिए संकट का मार्ग बन गया है और वहां आ जा रहे जहाजों के साथ ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात समेत खाड़ी के अनेक निशाने बमबारी का ठिकाना बने। इसमें अमेरिका अगुआ रहा जबकि उसके जहाजों को भी निशाना बनाए जाने की खबर आई। और हम लोग अतिथियों के सत्कार और सुरक्षा के लिए शानदार आयोजन में लगे रहे तब तक दुनिया में कच्चे तेल की कीमत करीब बीस फीसदी ऊपर पहुंच गई।

अब सरकारी आयोजन से और तैयारियों को हम किस मुंह से गलत बताएंगे लेकिन जिस तरह से हमारी मीडिया भी पश्चिम एशिया के इस विवाद के बढ़ने के साथ तेल की कीमतों वाले सवाल को भूली हुई थी वह हैरान करने वाला है। जबकि यह भी हुआ कि इस संकट की परछाई हमारे शेयर बाजारों और अर्थव्यवस्था के अन्य पक्षों पर पड़ी और उससे स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लग जाता है। हम यह तो बताते रहे कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की कितनी आबादी है और दुनिया के जीडीपी में उनका हिस्सा कितना है। हम यह भी बताते रहे कि अमेरिका और यूरोप ही नहीं हमारे पड़ोसी पाकिस्तान में इस आयोजन और इसकी सफलता को लेकर जितना जलन है। अमेरिकी राष्ट्रपति नए सचमुच में ऐसे बयान दिए भी। उनके इन बयानों और ईरान पर हमले के पीछे उनकी अपनी नीति भी है और एक किस्म की अनिवार्यता भी।

लेकिन हुती विद्रोहियों ने इसी बीच जिस आसानी से बाब एल मांदेब द्वीप समेत कई नए द्वीपों और इलाकों पर अपना कब्जा जमा लिया वह दुनिया में तेल की आपूर्ति के रास्ते में नई बाधा बनकर सामने आया। और कोढ़ में खाज की तरह ट्रम्प का यह बयान भी इसी के साथ आ गया कि अमेरिका की हुती विद्रोहियों के साथ बातचीत हुई है और वे अमेरिका द्वारा कार्रवाई न करने की मांग कर रहे हैं। इस मांग पर हमें कोई आपत्ति नहीं है।

पिछली बार तीन साल पहले जब इन विद्रोहियों का इस द्वीप पर कब्जा हुआ था तो लाल सागर से तेल की आपूर्ति आधी रह गई और स्वेज नहर होकर आने वाला परिवहन भी प्रभावित हुआ। इस कब्जे के पहले रोज 93 लाख बैरल तेल वहां से गुजरता था जो घटकर 46 लाख बैरल रह गया। इस बार उनकी जीत ज्यादा बड़े इलाके में हुई है और माना जा रहा है कि वे तेल आपूर्ति वाले जहाजों को ज्यादा परेशान करेंगे, ज्यादा वसूली करेंगे। और अगर अमेरिका उनके खिलाफ कार्रवाई में चूका तो बाकी दुनिया के लिए खतरा बढ़ेगा।

ट्रम्प की इस बात पर यकीन करने वाले कम लोग नहीं हैं क्योंकि होर्मुज और तेल के धंधे में नई दिलचस्पी लेने के बावजूद अमेरिका पहली बार सऊदी अरब समेत खादी के अपने मित्र देशों को ईरानी हमले के मामले में अकेला जैसा बना दिया है जबकि इन देशों से उसने सुरक्षा संधि कर रखी है। अभी पिछले नवंबर में ही ट्रम्प और सऊदी सुल्तान मोहम्मद बिन सलमान के बीच रक्षा समझौता हुआ था। असल में ट्रम्प अमेरिका में अपनी कमजोर राजनैतिक स्थिति के मद्देनजर ऐसी सारी गारंटियों को भूल रहे हैं क्योंकि अमेरिकी लोग बाहर सैन्य दखल का नाम सुनते ही और भड़क जाते हैं। दूसरी ओर वे तेल की कमाई से अमेरिकी खजाना भरकर अपनी राजनीति चमकाना भी चाहते हैं। वेनेजुएला का तेल वे अपना मानकर बेच ही रहे हैं और होर्मुज पर नियंत्रण के माध्यम से वे मध्य पूर्व के तेल बाजार से मलाई खाना चाहते हैं। अब उनकी जो भी राजनैतिक और आर्थिक मजबूरियां हों दुनिया उनकी योजना से ही चले यह जरूरी नहीं है। दिल्ली में सऊदी अरब और ईरान का एक घोषणापत्र पर सहमत होना उनको पसंद नहीं आ सकता। इसी तरह मक्का संधि के जरिए सऊदी अरब ने अपनी सुरक्षा का वैकल्पिक रास्ता भी बनाया है।

लेकिन अमेरिका अगर हुती विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई से हिचकता है या शांत बैठ जाता है तो दुनिया का तेल संकट और बढ़ेगा और अभी अगर कच्चा तेल 110 डालर प्रति बैरल पहुंचा है तो कल कहां तक जाएगा यह कहना मुश्किल है। अभी ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद छिड़ी जंग के समय होर्मुज से आवाजाही बंद हुई या बहुत कम हो गई थी। उस पूरे ब्यौरे में जाने की जरूरत नहीं है लेकिन तब यह हुआ कि चीन ने तेल का आयात काफी कम कर दिया और तेल के जहाज होर्मुज की जगह लाल सागर से आने जाने लगे। कीमतें बढ़ीं लेकिन वैसी नहीं जितनी इस बार लगा रही हैं।

इस बार का खतरा बड़ा होने की वजह सिर्फ हुती जमात की कारस्तानी नहीं है। उससे कच्चे तेल के साथ रिफाइंड तेल अर्थात डीजल और पेट्रोल की आवाजाही भी प्रभावित होगी। भारत जैसे देश नए पिछले संकट के समय चुप्पी सी साधी और रूस से काफी कच्चा तेल लाकर रिफायनिंग करके निर्यात किया और अच्छी कमाई करके अर्थव्यवस्था को अच्छी स्थिति में कर लिया। इस बार रिफाइन्स तेल की आवाजाही रुकेगी या प्रभावित होगी तो भारत समेत काफी देश तो प्रभावित होंगे ही डीजल -पेट्रोल के ग्राहक पिट जाएंगे।

अमेरिका में अभी ही जिस रफ्तार में डीजल की कीमतें साल भर में दो गुना तक हो गईं हैं उससे साफ है कि वहां ज्यादा कोहराम होगा। दूसरे यूक्रेन-रूस लड़ाई में, जिसका ब्रिक्स घोषणापत्र में जिक्र भी नहीं हुआ, रूस की तेल उत्पादन क्षमता प्रभावित हुई है। उनकी रिफायनिंग क्षमता तो नष्ट हुई ही है तेल निकालना भी कम हुआ है। ऐसे में अगर मौजूदा संकट के प्रति ब्रिक समेत दुनिया के सभी सक्रिय राष्ट्र समूह पहल नहीं करेंगे तो तेल का नया वैश्विक संकट आएगा ही।

# यूपीआई पर शुल्क, नोटबंदी के बाद फिर एक धोखा

**सचिन कुमार गौतम**

2016 में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लिया गया नोटबंदी का फैसला अब भी भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था में बहस का विषय बना हुआ है। उस समय सरकार ने दावा किया था कि नोटबंदी के जरिए आतंकवाद की कमर तोड़ी जाएगी, काले धन पर प्रभावी कार्रवाई होगी और देश तेजी से नकदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ेगा। हालांकि, दस साल बाद इन दावों की सफलता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि नोटबंदी से न तो काला धन पूरी तरह खत्म हुआ, न आतंकवाद पर निर्णायक अंकुश लगा और न ही देश नकदी से पूरी तरह मुक्त हो पाया।

नोटबंदी के बाद सरकार ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया। लोगों से अपील की गई कि वे नकदी के बजाय डिजिटल माध्यमों, खासकर यूपीआई, का इस्तेमाल करें। शुरूआत में यह व्यवस्था सुविधाजनक और आधुनिक विकल्प के रूप में सामने आई। छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारियों तक डिजिटल भुगतान तेजी से बढ़ा। लेकिन अब यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित शुल्क ने सरकार की उस नीति पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसके तहत देश को कैशलेस अर्थव्यवस्था बनाने का दावा किया गया था।

सरकार ने घोषणा की है कि 2,000 रुपये से अधिक के व्यक्ति-से-व्यापारी यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर लगाया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि कोई ग्राहक किसी व्यापारी को यूपीआई के माध्यम से 5,000 रुपये का भुगतान करता है, तो उस लेन-देन पर 20 रुपये का शुल्क बनता है। कई जगहों पर इस शुल्क की दरों और नियमों को लेकर अलग-अलग चर्चाएं सामने आई हैं, इसलिए अंतिम प्रभाव वास्तविक दिशानिर्देशों के आधार पर ही स्पष्ट होगा। सरकार का तर्क है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे नहीं लिया जाएगा, बल्कि व्यापारी या भुगतान सेवा प्रदाता के स्तर पर इसका निपटारा होगा।

हालांकि, आम उपभोक्ता की चिंता यह है कि व्यापारी इस अतिरिक्त लागत को किसी न किसी रूप में ग्राहकों पर डाल सकते हैं। वे वस्तुओं की कीमत बढ़ा सकते हैं, अलग से सेवा शुल्क ले सकते हैं या डिजिटल भुगतान स्वीकार करने से बच सकते हैं। ऐसे में यूपीआई को बढ़ावा देने के बजाय यह कदम डिजिटल भुगतान को हतोत्साहित कर सकता है। कांग्रेस ने इसी आधार पर इसे ह्यद ग्रेट यूपीआई लूटह्ल करार दिया है। पार्टी का कहना है कि जब नोटबंदी के समय सरकार ने डिजिटल भुगतान को समाधान के रूप में प्रस्तुत किया था, तो अब उसी व्यवस्था पर शुल्क लगाने की जरूरत क्यों महसूस हुई।

एमडीआर वह शुल्क है, जो डिजिटल भुगतान पूरा करने के लिए व्यापारी को बैंक, कार्ड नेटवर्क या भुगतान सेवा प्रदाता को देना पड़ता है। यूपीआई के मामले में लंबे समय से शून्य एमडीआर की नीति लागू रही है। इसका उद्देश्य छोटे दुकानदारों और आम उपभोक्ताओं के बीच डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना था। यदि इस व्यवस्था में शुल्क जोड़ा जाता है, तो सबसे अधिक असर छोटे व्यापारियों पर पड़ सकता है। किराना दुकानों, रेहड़ी-पटरी वालों और छोटे सेवा प्रदाताओं के लिए प्रत्येक लेन-देन पर लगने वाला शुल्क उनकी कमाई को प्रभावित कर सकता है।

यह सवाल भी उठ रहा है कि इस तरह का महत्वपूर्ण निर्णय संसद में पर्याप्त चर्चा के बाद क्यों नहीं लाया गया। बजट सत्र में वित्तीय नीतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श का अवसर होता है। विपक्षी दलों का कहना है कि यूपीआई शुल्क जैसे फैसले पर संसद, व्यापारिक संगठनों, बैंकों और उपभोक्ता समूहों से सुझाव लिए जाने चाहिए थे। बिना व्यापक विमर्श के लिए गए निर्णय से पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

यूपीआई के क्षेत्र में फोनपे, गूगल पे और पेटीएम जैसी कंपनियों की बड़ी भूमिका है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, यूपीआई बाजार में फोनपे की हिस्सेदारी लगभग 48.9 प्रतिशत, गूगल पे की 37.7 प्रतिशत और पेटीएम की करीब 8.3 प्रतिशत बताई जाती है। शेष हिस्सेदारी अन्य कंपनियों के पास है। फोनपे में अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट की बड़ी हिस्सेदारी है, जबकि गूगल पे अमेरिकी कंपनी का डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म है। इसलिए आलोचक आरोप लगा रहे हैं कि एमडीआर लागू होने से बड़ी भुगतान कंपनियों की आमदनी बढ़ सकती है और इसका बोझ अंततः भारतीय उपभोक्ताओं तथा छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा।

नोटबंदी के तुरंत बाद डिजिटल भुगतान कंपनियों को बड़ा लाभ मिला था। उस दौर में पेटीएम के लेन-देन में भारी वृद्धि दर्ज की गई। 8 नवंबर को नोटबंदी की घोषणा के बाद 10 नवंबर को पेटीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ अखबारों में पूरे पन्ने का विज्ञापन प्रकाशित कर उन्हें इस फैसले के लिए बधाई दी थी। इस विज्ञापन पर राजनीतिक विवाद भी हुआ। अरविंद केजरीवाल ने इसकी आलोचना की, जबकि राहुल गांधी ने राजनीतिक व्यंग्य करते हुए पेटीएम को 'पेमेंट टू मोदी' कहा। उस समय उनके बयान की आलोचना हुई, लेकिन बाद की घटनाओं ने यह बहस जरूर तेज कर दी कि सरकारी नीतियों से किन निजी कंपनियों को सबसे अधिक लाभ मिला।

नोटबंदी के समय नए नोटों में चिप होने जैसी अफवाहें भी खूब फैली थीं। सरकार और उसके समर्थकों ने डिजिटल अर्थव्यवस्था को भविष्य का रास्ता बताया था। आज, जब यूपीआई पर शुल्क लगाने की चर्चा हो रही है, तो वही सवाल फिर सामने खड़ा है–क्या डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना केवल संकट के समय की नीति थी, या सरकार वास्तव में इसे आम जनता के लिए स्थायी और सस्ता विकल्प बनाना चाहती है?

नोटबंदी के दस साल बाद यह स्पष्ट है कि किसी भी आर्थिक नीति का मूल्यांकन केवल नारों और दावों से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक परिणामों से होना चाहिए। यदि यूपीआई पर शुल्क लागू होता है, तो सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इसका भार न तो उपभोक्ताओं पर पड़े और न ही छोटे व्यापारियों पर। अन्यथा कैशलेस अर्थव्यवस्था का सपना आम जनता के लिए सुविधा के बजाय एक और आर्थिक बोझ बन सकता है।

# वरिष्ठ भाजपा नेताओं और समाजसेवियों का सम्मान, मनोनीत पार्षदों का भी हुआ अभिनंदन

**अजय सिंह**

**मध्य प्रदेशः** पोरसा नगर के सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय वरिष्ठजनों के सम्मान में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुषमा देवी रामवीर सिंह तोमर के निवास पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन द्वारा नगर पालिका के लिए मनोनीत किए गए पार्षदों, भाजपा के वरिष्ठ एवं वयोवृद्ध नेताओं, जिला कार्यकारिणी के सदस्यों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। समारोह में नगर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 50 से अधिक लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम में मनोनीत पार्षदों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. छविराम सिंह भदौरिया, विश्वनाथ सिंह तोमर, पवन सिंघल, बालकिशन वर्मा और श्रीमती मंजू गुप्ता शामिल रहे। नगर पालिका अध्यक्ष एवं अन्य उपस्थित लोगों ने सभी मनोनीत पार्षदों का स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान भाजपा के लंबे समय से संगठन और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय वरिष्ठ नेताओं तथा जिला कार्यकारिणी से जुड़े सदस्यों का भी सम्मान किया गया। मोहर सिंह तोमर, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर, लक्ष्मीनारायण शर्मा, डॉ. अनिल गुप्ता, रामरूप सिंह तोमर, इंद्र सिंह तोमर, राम सिंह तोमर, महेश सेमिल, सुरेंद्र सिंह कक्का, संतोष सिंह तोमर, राकेश शर्मा, जागेश सिंह तोमर, जगरूप सिंह तोमर, बाबू सिंह तोमर, मनोज नामदेव, कुलवेंद्र सिंह तोमर, सोनू सिंह तोमर, वासुदेव सिंह तोमर और राधाकृष्ण गुप्ता सहित कई वरिष्ठजनों एवं समाजसेवियों का अभिनंदन किया गया।

**वरिष्ठजनों का अनुभव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा**

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि समाज और संगठन के लिए वर्षों से सक्रिय लोगों को सम्मान देना उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का भी माध्यम है। वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने अपने अनुभव और संगठनात्मक कार्यों के जरिए पार्टी तथा समाज को मजबूत बनाने में भूमिका निभाई है। वहीं समाजसेवियों ने विभिन्न जनहित और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सहायता की है।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुषमा देवी रामवीर सिंह तोमर ने कहा कि वरिष्ठजनों का अनुभव और समाजसेवियों की सेवा भावना समाज की महत्वपूर्ण पूंजी है। ऐसे लोगों का सम्मान उनके योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि नगर के विकास तथा जनहित से जुड़े कार्यों में सभी वर्गों के सहयोग और वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन की आवश्यकता रहेगी।

**सम्मान के बाद अतिथियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था**

समारोह में सम्मानित किए गए लोगों को पुष्पहार पहनाकर एवं पट्टिका भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित अतिथियों और सम्मानितजनों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। समारोह में भाजपा कार्यकताओं, सामाजिक कार्यकताओं और गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी पूर्व पार्षद अशोक सिंह तोमर, संजय सिंह तोमर, अधिकार सिंह तोमर और भोले सिंह परमार ने संभाली। समारोह के दौरान पूरे आयोजन में आपसी सौहार्द और सम्मान का माहौल देखने को मिला।

# कालिकन धाम में भाजपा नेता योगेश शुक्ल ने संभाली झाड़ू, युवाओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

**इंद्रेश कुमार पांडे**

**उत्तर प्रदेशः** कोरांव, प्रयागराज। बड़ोखर ग्राम पंचायत स्थित मां कालिकन देवी धाम में रविवार को क्लीन टेंपल ड्राइव के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ल के नेतृत्व में स्थानीय युवाओं, कार्यकताओं और ग्रामीणों ने मंदिर परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक चला। इस दौरान मंदिर परिसर और आसपास फैली गंदगी को हटाकर लोगों ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। अभियान में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। योगेश शुक्ल ने कहा कि बड़ोखर पहाड़ की चोटियों के समीप स्थित मां कालिकन देवी धाम प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और इसकी पहचान पूरे क्षेत्र में है। ऐसे धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के आसपास गंदगी देखकर मन दुखी होता है।

उन्होंने कहा कि जब हम अपने घर को साफ-सुथरा रखते हैं तो माता के धाम को स्वच्छ रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने क्षेत्र के समाजसेवियों, युवाओं, माताओं और बहनों से अपील की कि महीने में कम से कम एक दिन मंदिर परिसर की स्वच्छता के लिए समय निकालें, ताकि धाम की धार्मिक गरिमा और प्राकृतिक सुंदरता बनी रहे। स्वच्छता अभियान में रघुनन्दन प्रसाद, राम मूरत पाल, रवि प्रकाश, ग्राम प्रधान प्रशासक नन्हें सिंह, रामायण प्रसाद तिवारी, कमला शंकर पटेल, बुद्धसेन पांडेय, राकेश पटेल पूर्व प्रधान, विंदेश्वरी शुक्ल, आनंद दुबे, अमरनाथ गोस्वामी, ब्रह्मानंद द्विवेदी, हरिकांत पांडेय, प्रदीप मिश्र, निशा पाण्डेय, विभव नारायण पांडेय, कमलेश मिश्र, हरिमोहन पाण्डेय, शिवदास दुबे, बंधु शर्मा, ब्रह्मानंद दुबे, भोले सिंह, नीरज केशरी, दीपक शुक्ल, राकेश पटेल, राजन कुमार हेला, अंजनी केशरी और अरविंद मिश्रा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# टोंक में सभापति की कुर्सी पर मचा सियासी घमासान

**सहीहुरहमान**

**राजस्थानः** टोंक नगर परिषद में सभापति की कुर्सी को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस ने वार्ड 53 से निर्वाचित 26 वर्षीय पार्षद मयंक गोयल को अपना प्रत्याशी बनाया है, जबकि भाजपा की ओर से प्रहलाद सिंह ने आवेदन किया है। ऐसे में अब दोनों दलों के बीच पार्षदों का समर्थन जुटाने और बहुमत के आंकड़े को साधने की कवायद तेज हो गई है। कांग्रेस प्रत्याशी मयंक गोयल ने बुधवार दोपहर करीब 12 बजे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और पार्टी के सह प्रभारी सुमित गर्ग की मौजूदगी में रिटर्निंग अधिकारी सीमा खेतान के सामने नामांकन दाखिल किया। इस दौरान कांग्रेस

के कई पार्षद भी उनके साथ मौजूद रहे। 26 वर्षीय मयंक गोयल होटल व्यवसाय से जुड़े हैं और कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष स्वर्गीय आत्माराम गोयल के पोते हैं। राजनीतिक परिवार से होने के कारण उनका पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं से संपर्क बताया जाता है।

स्थानीय राजनीतिक हलकों में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और टोंक विधायक सचिन पायलट के परिवार से उनके पुराने संबंधों की भी चर्चा रही है।वहीं, कांग्रेस पार्षद मोईन निजाम के काफिले में सचिन पायलट के खिलाफ नारेबाजी का मामला भी चर्चा में है। हालांकि मोईन निजाम ने कांग्रेस के प्रति अपनी निष्ठा जताते हुए कहा है कि वह कांग्रेस पार्टी के सिपाही हैं और हमेशा पार्टी के साथ रहेंगे। इस घटनाक्रम को टोंक की स्थानीय कांग्रेस राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। उधर, भाजपा की ओर से प्रहलाद सिंह ने सभापति पद के लिए आवेदन किया है। भाजपा के पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता ने दावा किया है कि टोंक की जनता के आशीर्वाद से भाजपा का बोर्ड बनेगा। अब टोंक नगर परिषद में असली मुकाबला पार्षदों के समर्थन को लेकर है। दोनों ही दल अपने-अपने खेमे को मजबूत करने में जुटे हैं। ऐसे में सभापति की कुर्सी किसके खाते में जाएगी, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

# तोशाम को स्वच्छ, स्वस्थ और जाम मुक्त बनाने की कवायद तेज, प्रशासन ने शुरू किया अभियान

**राजपूत रंजीत**

**हरियाणाः** तोशाम शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और यातायात जाम से मुक्त बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने जनभागीदारी के साथ विशेष अभियान शुरू किया है। उपायुक्त साहिल गुप्ता के दिशा-निर्देशों और एसडीएम संदीप कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। बुधवार को अभियान के तहत सुरेंद्र सिंह चौक पर विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम ने निशानदेही का कार्य किया। विकास एवं पंचायत विभाग, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और स्थानीय व्यापारियों की मौजूदगी में सड़क क्षेत्र को व्यवस्थित करने के लिए निशानदेही पट्टियां लगाई गईं।

इसके साथ ही राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भी विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्कूल की प्राचार्य नीलम रानी की देखरेख में आयोजित इस अभियान में स्थानीय लोगों की भी भागीदारी रही। प्रशासन का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ शहर को साफ-सुथरा रखने में उनकी जिम्मेदारी सुनिश्चित करना है।

**पार्किंग व्यवस्था से मिलेगी जाम से राहत**

शहर में यातायात जाम की समस्या को कम करने के लिए प्रशासन जल्द ही पार्किंग की नई व्यवस्था शुरू करने की तैयारी में है। सुरेंद्र सिंह चौक से सिवानी रोड और भिवानी रोड की ओर पार्किंग व्यवस्था विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके माध्यम से सड़क किनारे अनियंत्रित वाहनों की पार्किंग को कम करने और यातायात को सुचारू बनाने का प्रयास किया जाएगा। प्रशासन के अनुसार अभियान को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। भिवानी रोड के बाद सिवानी रोड, हिसार रोड, हांसी रोड और मुख्य बाजार क्षेत्र को भी अभियान में शामिल किया जाएगा। लक्ष्य पूरे शहर में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करना और लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाना है।

एसडीएम संदीप कुमार ने कहा कि शहर की स्वच्छता और यातायात व्यवस्था में सुधार केवल प्रशासन के प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए आम नागरिकों, व्यापारियों और पुलिस प्रशासन का सहयोग जरूरी है। उन्होंने लोगों से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। अभियान के दौरान पंचायत विभाग के पटवारी उदयभान, पीडब्ल्यूडी के जेई पवन, वन विभाग से मुकेश, व्यापारी नेता फोगाट सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी और स्थानीय व्यापारी मौजूद रहे।

# किसानों को बांटे गए बैटरी ऑपरेटेड स्प्रेयर, आधुनिक कृषि तकनीक को मिलेगा बढ़ावा

**अंकित कुमार सुथार**

राजस्थानः रेवदर सिरोही प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (ढटङर 2.0) के तहत किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत बाँट एवं ग्राम पंचायत जेतावाड़ा में किसानों को बैटरी ऑपरेटेड स्प्रेयर मशीनों का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य किसानों के कृषि कार्यों को आसान बनाने के साथ आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देना है।

**किसानों को मशीन के उपयोग की दी जानकारी**

कार्यक्रम के दौरान किसानों को बैटरी ऑपरेटेड स्प्रेयर के संचालन, उपयोग एवं इसके प्रमुख लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि बैटरी से संचालित स्प्रेयर के माध्यम से खेतों में कीटनाशक, कृषि दवाइयों एवं अन्य आवश्यक घोल का छिड़काव पारंपरिक तरीकों की तुलना में अधिक सुविधाजनक तरीके से किया जा सकता है।

**कम समय और कम श्रम में होगा कृषि कार्य**

बैटरी ऑपरेटेड स्प्रेयर मिलने से किसानों को छिड़काव के कार्य में काफी सुविधा मिलने की उम्मीद है। इससे समय और श्रम की बचत होगी तथा किसान कम मेहनत में अधिक क्षेत्र में छिड़काव कर सकेंगे। आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग से किसानों की कार्यक्षमता बढ़ाने और कृषि कार्यों को तकनीक आधारित बनाने में भी मदद मिलेगी।

**आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने का आह्वान**

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। साथ ही किसानों को सरकार की कृषि एवं किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी लेकर उनका अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर सहायक अभियंता भगवान सिंह राज पुरोहित, कनिष्ठ अभियंता नेनाराम देवासी तथा मोहब्बतपुरा के सचिव रमेश चौधरी सहित संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को आधुनिक उपकरणों के उपयोग से कृषि कार्यों को अधिक सुगम, समयबद्ध एवं प्रभावी बनाने का संदेश दिया गया।

# सागवाड़ा नगर पालिका में खटीक समाज की जीत, ऐश्वर्या और प्रकाश खटीक बने भाजपा पार्षद

**मनोज कुमार खटीक**

**राजस्थानः** सागवाड़ा नगर पालिका चुनाव में खटीक समाज के दो भाजपा प्रत्याशियों ने जीत दर्ज कर पार्षद पद हासिल किया है। वार्ड नंबर 10 से ऐश्वर्या खटीक और वार्ड नंबर 25 से प्रकाश खटीक ने भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतकर समाज का गौरव बढ़ाया। दोनों प्रत्याशियों की जीत के बाद खटीक समाज में खुशी का माहौल है और समाजजनों ने उन्हें बधाई देकर उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। दोनों वार्डों में चुनावी जिम्मेदारी एससी मोर्चा के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं गलियाकोट निवासी मनोज सामरिया को प्रभारी के रूप में दी गई थी। चुनाव में मिली सफलता के बाद समाज के लोगों ने इसे सामूहिक प्रयास और कार्यकताओं

की मेहनत का परिणाम बताया।

ऐश्वर्या खटीक और प्रकाश खटीक के नगर पालिका में पार्षद निर्वाचित होने पर खटीक समाज के वरिष्ठजनों और विभिन्न वर्गों के लोगों ने प्रसन्नता जताई। समाजजनों का कहना है कि दोनों प्रतिनिधियों के नगर पालिका में पहुंचने से समाज की भागीदारी और प्रतिनिधित्व को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ नेता कांतिलाल जी, प्रकाश खटीक, तोलाचंद खटीक, रामा भाई, महेश जी, बंसी जी, शंकर जी, गंगाराम जी, केसला जी, मोतीलाल जी, रामा जी, गणेश जी, धुरिया जी, रमेश जी, राजू जी, जगदीश जी, कुलदीप जी, चंदन जी, हीरालाल जी, देवीलाल जी और गटु जी सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

समाजजनों ने दोनों नवनिर्वाचित भाजपा पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए नगर के विकास और जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने की उम्मीद जताई। दोनों की जीत के बाद सागवाड़ा नगर में भी समर्थकों और समाजजनों के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिला।

# सोशल मीडिया पर बदनाम करने और धमकी देने का लगा आरोप, एसपी से करी शिकायत

**रानू**

**उत्तर प्रदेशः** महोबा थाना महोबा क्षेत्र के मझलवारा गांव निवासी योगेन्द्र सिंह और रानू सोनी ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कुछ लोगों पर सोशल मीडिया के जरिए उनकी और उनके परिवार की छवि खराब करने का आरोप लगाया है। शिकायतकताओं ने अभद्र टिप्पणियां करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। शिकायतकताओं के मुताबिक, मझलवारा निवासी पवन रावत से उनका पुराना विवाद चल रहा है। इस मामले में वर्ष 2017 में मुकदमा भी दर्ज कराया जा चुका है। आरोप है कि पवन रावत और उसके साथी शिवम रावत, धर्मेन्द्र

रावत और भूपेन्द्र रावत सोशल मीडिया पर उनके और उनके परिवार के खिलाफ गाली-गलौज और धमकी भरे पोस्ट कर रहे हैं।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि उनके पिता बृजभान राजपूत, जो गांव के पूर्व प्रधान रह चुके हैं, को लेकर भी सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। शिकायतकताओं का कहना है कि इन पोस्ट के कारण उनकी सामाजिक और राजनीतिक छवि प्रभावित हो रही है। पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कराने, सोशल मीडिया पर किए गए कथित आपत्तिजनक पोस्ट हटवाने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

# 15 दिन में समाधान नहीं होने पर ब्लॉक प्रांगण में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन की दी चेतावनी

**घनश्याम दास**

**उत्तर प्रदेशः** कस्बा नागल की जनसमस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन तोमर ने प्रदर्शन करते हुए खंड विकास अधिकारी, नागल को ज्ञापन सौंपा। संगठन के सहारनपुर मंडल प्रभारी मुजीबुर्रहमान इदरीसी के नेतृत्व में किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। भाकियू तोमर ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिन के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो ब्लॉक प्रांगण में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

**बंदरों के आतंक से निजात की मांग**

ज्ञापन में बताया गया कि नागल कस्बे में 12 से 15 बंदरों का आतंक बना हुआ है। बंदर छतों पर रखे सामान, पानी की टंकियों के पाइप, सोलर पैनल और कपड़ों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार, छतों पर जाने वाली महिलाओं और बच्चों पर बंदरों के हमले की घटनाएं भी सामने

आ चुकी हैं। इससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

**पुरानी मस्जिद वाली गली में गंदगी की समस्या**

भाकियू तोमर ने पुरानी मस्जिद वाली गली में फैली गंदगी का मुद्दा भी उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि गली में कई-कई सप्ताह तक सफाई नहीं होने से बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है। उन्होंने नियमित रूप से सफाई कर्मियों को भेजकर हर सप्ताह सफाई कराने की मांग की।

**सफाई कर्मियों की संख्या बढ़ाने की मांग**

ज्ञापन में कस्बे में सफाई कर्मियों की संख्या बढ़ाने की मांग की गई। संगठन का कहना है कि कर्मचारियों की कमी के कारण कई स्थानों पर समय से सफाई नहीं हो पाती और गंदगी जमा रहती है।

**जलभराव से राहत दिलाने की मांग**

पुरानी मस्जिद वाली गली में जलभराव की समस्या को लेकर भी कार्रवाई की मांग की गई। किसानों ने सड़क को ऊंचा उठाने का कार्य जल्द कराने की मांग रखी, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने वालों में सहारनपुर मंडल प्रभारी मुजीबुर्रहमान इदरीसी के अलावा अहमद मलिक, अब्दुल रहमान, शौकीन, सुल्तान हाजी, फईमुद्दीन सहित कई किसान मौजूद रहे।

# यूसीसी के नाम पर नीतीश को भगवामय करने की तैयारी में राजद!

**पटना, एजेंसी।**
बिहार की सियासत में फिर यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने एक बड़ी सियासी चाल चली है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, आरजेडी यूसीसी के मुद्दे पर नीतीश को लगातार कठघरे में खड़ा कर रही है और उन पर बीजेपी के दबाव में होने का आरोप लगा रही है। आरजेडी का मुख्य मकसद नीतीश के सेक्युलर छवि के आवरण को हटाकर उन्हें राजनीतिक रूप से भगवामय साबित करना है, ताकि मुस्लिम मतदाताओं का पूरी तरह से ध्रुवीकरण उनकी अपनी पार्टी के पक्ष में हो जाएं।

भले ही अभी तक यूसीसी का कोई आधिकारिक ड्राफ्ट सामने नहीं आया है, लेकिन आरजेडी ने मुद्दे पर आक्रामक तेवर अपना लिए हैं। पार्टी नेताओं, जैसे भाई वीरेंद्र के बयानों का लब्बोलुआब यही रहा है कि यदि नीतीश वास्तव में धर्मनिरपेक्ष हैं, तब उन्हें सरकार से समर्थन वापस लेकर राज्य में महागठबंधन की सरकार बनानी चाहिए। आरजेडी अच्छी तरह जानती है कि जेडीयू विधायक दल में टूट की संभावना फिलहाल नहीं है, लेकिन इस बहस के जरिए वे अल्पसंख्यक समुदाय के मन में नीतीश कुमार के प्रति अविश्वास पैदा करना चाहते हैं। बिहार के चुनावी समीकरणों में मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक रहा है। बांकीपुर उपचुनाव में तगड़ा झटका खाने के बाद आरजेडी अब किसी भी हाल में वोट बैंक को अपने पाले में एकजुट करना चाहती है। पार्टी यह रणनीतिक खेल खेल रही है कि जितना अधिक वे यूसीसी का विरोध करेगी और नीतीश-बीजेपी गठबंधन पर हमलावार रहेगी, मुस्लिम वोटर उतने ही मजबूती से आरजेडी के साथ गोलबंद हो जाएंगे। आगामी विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों और अन्य राजनीतिक भविष्य की लड़ाइयों को ध्यान में रखते हुए आरजेडी का यह कदम उनकी सोची-समझी राजनीतिक प्लानिंग का हिस्सा है, जिससे वे राज्य के सत्ता समीकरण में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं।

## पीएम के जन्मदिन पर सीजेपी ने कहा- स्कूल ठीक करो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), जो हाल ही में दिल्ली में हुए प्रदर्शनों के बाद से लगातार चर्चा में है, ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया दी है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से जन्मदिन पर दीया जलाने के अभियान पर सवाल उठाया है। रांका ने अपनी पोस्ट में लिखा, बताओ कल देशभर के कॉलेज को सुबह सुबह आशीर्वाद का दीया जलाने के लिए क्यों बोला गया है गाइज? बताओ कल किसका जन्मदिन है गाइज? उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। इस बीच, सीजेपी अपने स्कूल ठीक करो अभियान को भी गति दे रही है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारत में आदिवासी स्कूलों को पिछले 80 वर्षों से सरकार की उपेक्षा का सामना करना पड़ा है। इस मुद्दे को उजागर करने के लिए, सीजेपी 17 सितंबर से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली से अपने 'आदिवासी स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत करेगी।इसका उद्देश्य आदिवासी विद्यार्थियों के सामने आने वाली समस्याओं और भेदभाव की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है। यह अभियान सीजेपी के व्यापक स्कूल ठीक करो मुहिम का हिस्सा है, जिसे एक महीने पहले ग्रामीण और शहरी सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए शुरू किया गया था। इस पहल के तहत, सीजेपी प्रतिनिधि स्कूलों का दौरा कर बुनियादी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का निरीक्षण करेंगे।

## द्वारका एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कार ने चार लोगों को कुचला, दो की मौत, दो गंभीर

गुरुग्राम(एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में बुधवार देर रात द्वारका एक्सप्रेसवे पर एक कार ने चार लोगों को कुचल दिया। इस घटना में दो की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर है। घायलों निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुग्राम पुलिस ने गुरुवार को बताया कि न्यू पालम विहार में द्वारका एक्सप्रेसवे पर बुधवार रात करीब 2-30 बजे हादसा हुआ। दिल्ली की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने एक्सप्रेसवे पर ग्रिल लगा रहे चार लोगों को टक्कर मार दी। घायलों में से दो की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले, हरियाणा के करनाल में नेशनल हाईवे पर बसताड़ा टोल प्लाजा के पास सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्र की मौत हो गई। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि सभी लोग करनाल की तरफ जा रहे थे। ये लोग बाइक पर सवार थे, जिन्हें कार ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान मोहम्मद अर्श और मोहम्मद जफर के रूप में हुई। मृतकों के एक रिश्तेदार ने बताया कि वह मेरठ के रहने वाले थे। यहां मजदूरी करते थे। उन्होंने बताया कि बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि पिता ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि ग्रुप में फोटो शेयर हुए थे, जहां से हमने मृतकों की पहचान की, जिस गाड़ी ने टक्कर मारी थी, पुलिस ने उसे जब्त कर लिया। अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

## कर्नाटक के भटकल में गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव, मस्जिद-मदरसे को निशाना

भटकल (एजेंसी)। (ईएमएस)। कर्नाटक के भटकल में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव से इलाके में तनाव फैल गया है। यह घटना तालांद से शुरू हुए जुलूस के रेलवे स्टेशन रोड स्थित इस्माइल सुन्नी जामिया मस्जिद और ताजुल सुन्ना अरबी मदरसे के पास पहुंचने पर हुई। अज्ञात असामाजिक तत्वों पर इन धार्मिक स्थलों पर पत्थर फेंकने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, गुल्मी रेलवे ब्रिज पार करने के बाद जुलूस जैसे ही मस्जिद और मदरसे के करीब पहुंचा, अचानक पथराव शुरू हुआ। इस हमले में मस्जिद और मदरसे की खिड़कियों के शीशे टूट गए, जिससे एक समुदाय में भारी आक्रोश देखा गया। बड़ी संख्या में लोग आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर देर रात भटकल टाउन थाने के बाहर जमा होकर जोरदार प्रदर्शन करने लगे। अब्दुल अलीम और शाहुल अमीन गवाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। स्थिति की गंभीरता को देखकर उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) दीपन स्वयं भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को शांत करके निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया। एसपी दीपन ने लोगों से सहयोग की अपील कर कहा कि पुलिस अपनी जांच जल्द शुरू करेगी और जिसने भी यह गलत काम किया है, उस पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे भटकल में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों की मदद से पथराव करने वाले आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

## लखनऊ में रिकवरी एजेंटों का आतंक! पिस्टल की नोक पर परिवार से छीनी कार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फाइनेंस रिकवरी एजेंटों की दबंगई और गुंडई के मामले थम नहीं रहे हैं। ताजा मामला पीजीआई थाना क्षेत्र का है, जहां बीमार बच्चे का इलाज कराने पहुंचे एक परिवार को अज्ञात रिकवरी एजेंटों ने बीच सड़क पर बंधक बना लिया। पीड़ित जुबैर खान ने आरोप लगाया है कि एजेंटों ने उनकी कमर पर पिस्टल सटाकर परिवार को जबरन गाड़ी से नीचे उतारा और कार लूटकर फरार हो गए। जुबैर खान के मुताबिक, वे अपने बीमार बच्चे को दिखाने अस्पताल गए थे। ओपीडी में समय होने के कारण वे बच्चे को बाहर कुछ खिलाने निकले, तभी कुछ लोगों ने गाड़ी रोककर दो-तीन किश्तें बकाया होने की बात कह दी। पीड़ित द्वारा भाई से फोन पर बात करने के बावजूद आरोपी उन्हें रिसीविंग देने के बहाने आगे ले जाने लगे। जब उन्होंने गाड़ी रोकी, तब करीब 12 अज्ञात लोगों ने उनकी कार को घेरा और पिस्टल की नोक पर धमकाते हुए पत्नी और मासूम बच्चों सहित उन्हें बीच सड़क पर उतार दिया।

## आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ का मानहानि नोटिस

मुंबई(एजेंसी)। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री एनसीपी(एसपी) नेता अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। बार एंड बेंच के मुताबिक, नोटिस में दोनों नेताओं से उनके बयानों को वापस लेने, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और 500 करोड़ का हर्जाना देने की मांग की गई है। दोनों को इसके लिए 7 दिन का समय दिया गया है। आदित्य ठाकरे ने जांच में उनका नाम आने पर कहा था कि ये राजनीति से प्रेरित है। वहीं, अनिल देशमुख ने कहा था कि आदित्य को बदनाम किया जा रहा है।

## महोबा की जिला परिषद मार्केट में दुकानें बनीं गोदाम

**देवेश यादव**

**उत्तर प्रदेश:** महोबा शहर के हृदयस्थल उदल चौक स्थित जिला परिषद मार्केट में दुकानों के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, मार्केट की करीब 150 दुकानों में से ज्यादातर का इस्तेमाल दुकान के बजाय गोदाम के तौर पर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि वर्ष 1994-95 में तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष ब्रजेंद्र सिंह उमरिया के कार्यकाल में उदल चौक पर जिला परिषद मार्केट का निर्माण कराया गया था। मार्केट में दुकानों की कमी के चलते कई दुकानदार अपनी दुकान के साथ-साथ सामान रखने के लिए गोदाम के रूप में भी इन दुकानों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

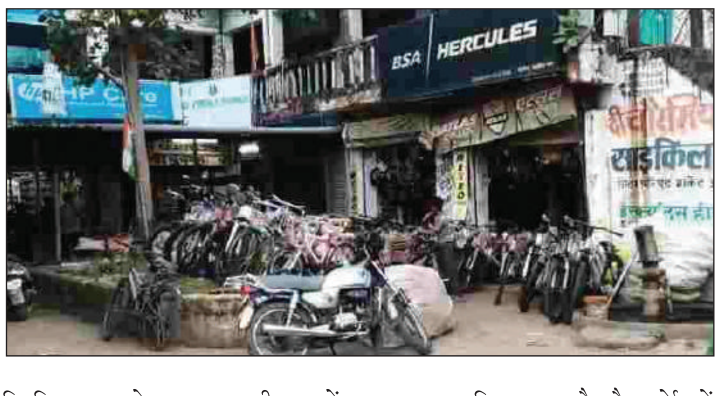


स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्केट की बड़ी संख्या में दुकानें बंद रहती हैं। करीब 20 से 25 दुकानदार ही नियमित रूप से सुबह अपनी दुकानें खोलते नजर आते हैं, जबकि बाकी दुकानें बंद रहती हैं। लोगों का कहना है कि अगर इन दुकानों का सही तरीके से इस्तेमाल हो और बंद पड़ी दुकानों को जरूरतमंद दुकानदारों के लिए उपलब्ध कराया जाए, तो अधिक लोगों को रोजगार का अवसर मिल सकता है और मार्केट में भी रौनक बढ़ सकती है। स्थानीय लोगों ने नगरपालिका प्रशासन से मामले का संज्ञान लेने और दुकानों के इस्तेमाल की जांच कर उचित कदम उठाने की मांग की है, ताकि जिला परिषद मार्केट की दुकानों का ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिल सके।

## पोरसा में गणेश महोत्सव की धूम, झांकियां देखने उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

**अजय सिंह**

**मध्य प्रदेश:** पोरसा प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश के महोत्सव को लेकर नगर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। गणेश चतुर्थी के बाद नगर के अलग-अलग स्थानों पर आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं, जहां भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। पूजा-अर्चना के साथ ही धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला भी शुरू हो गया है।

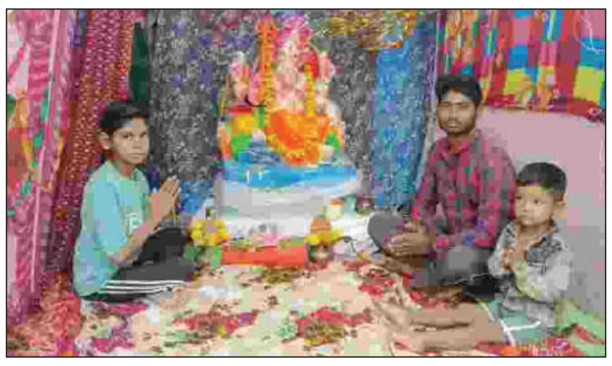

बायपास रोड पर छोटे-छोटे बच्चों ने मिलकर आकर्षक झांकी सजाई है। बच्चों की मेहनत और रचनात्मकता से तैयार की गई इस झांकी को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। झांकी में भगवान गणेश की प्रतिमा के साथ धार्मिक सजावट लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। गणेश उत्सव के दौरान नगर के अलग-अलग स्थानों पर सजे पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

शाम होते ही रंग-बिरंगी रोशनी से सजे पंडालों की रौनक बढ़ जाती है। लोग झांकियों में विराजमान भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। पूरे नगर में गणपति बप्पा के जयकारे गूंज रहे हैं और लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। आने वाले दिनों में भी अलग-अलग स्थानों पर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान गणेश को प्रथम पूज्य और विघ्नहर्ता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत भगवान गणेश की पूजा से करने की परंपरा है। इसी आस्था के साथ पोरसा में गणेश महोत्सव पूरे उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है।

## घाटमपुर अस्पताल में संतोष टोपा की अनूठी सेवा, चार-पांच वर्षों से मरीजों व तीमारदारों को बांट रहे प्रसाद

**अरुण कुमार**

**उत्तर प्रदेश:** घाटमपुर कस्बे के संतोष टोपा पिछले चार-पांच वर्षों से सरकारी अस्पताल स्थित भोले की रसोई में मरीजों, तीमारदारों, अस्पताल स्टाफ और अन्य जरूरतमंद लोगों को प्रसाद वितरित कर रहे हैं। उनका उद्देश्य अस्पताल आने वाले लोगों को आध्यात्मिक संबल देने के साथ-साथ सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। वह नियमित रूप से अस्पताल पहुंचकर प्रसाद तैयार कराते हैं और मरीजों व उनके तीमारदारों के बीच वितरित करते हैं। संतोष टोपा के अनुसार, अस्पताल में आने वाले कई लोग बीमारी, चिंता और आर्थिक परेशानी से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में प्रसाद का छोटा-सा वितरण भी उन्हें अपनापन और मानसिक राहत देता है। मरीजों के साथ तीमारदार और अस्पताल स्टाफ भी इस सेवा से जुड़ते हैं, जिससे परिसर में सकारात्मक माहौल बनता है। उनकी यह सेवा किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं है, बल्कि नियमित रूप से जारी रहती है।

पिछले कई वर्षों से लगातार चल रही इस पहल को अस्पताल आने वाले लोगों का सहयोग और सराहना मिल रही है। मरीजों और तीमारदारों का कहना है कि प्रसाद मिलने से उन्हें भावनात्मक सहारा मिलता है और अस्पताल की व्यस्त व तनावपूर्ण परिस्थितियों में कुछ राहत महसूस होती है। संतोष टोपा की निरंतर सेवा अस्पताल परिसर में मानवता, आस्था और सेवा भाव की मिसाल बनी हुई है।

## सहारनपुर में सदर बाजार पुलिस की कार्रवाई, वारंटी अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

**राकेश कुमार शर्मा**

**उत्तर प्रदेश:** सहारनपुर अपराध की रोकथाम और वांछित एवं वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सदर बाजार पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक कार्रवाई 15 सितंबर 2026 को मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान की गई। पुलिस टीम ने सदर बाजार क्षेत्र के गलीरा मोहल्ले से वारंटी अभियुक्त प्रीतम सिंह पुत्र पृथ्वी सिंह निवासी गलीरा, थाना सदर बाजार, सहारनपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ न्यायालय से संबंधित एक मामले में वारंट जारी था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और उसे समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

## प्रतापपुरा में सजा भव्य गणेश पंडाल, 63 साल से जारी है अष्टविनायक गणेश मंडल की परंपरा

**तुषार चौक**

**मध्य प्रदेश:** ब्रह्मपुर के प्रतापपुरा में गणेश चतुर्थी के अवसर पर श्री अष्टविनायक गणेश मंडल की ओर से भव्य गणेश पंडाल सजाया गया है। आकर्षक साज-सज्जा से तैयार इस पंडाल में भगवान श्री गणेश की मनमोहक प्रतिमा विराजित की गई है,

जहां दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। गणेशोत्सव के शुभ अवसर पर विधि-विधान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रतिमा की स्थापना की गई। श्रद्धालुओं ने गणपति के दर्शन कर सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। खास बात ये है कि प्रतापपुरा में गणेशोत्सव मनाने की ये परंपरा आज की नहीं, बल्कि पिछले 63 वर्षों से चली आ रही है। श्री अष्टविनायक गणेश मंडल लगातार गणेश चतुर्थी के मौके पर पंडाल सजाकर भगवान गणेश की स्थापना करता आ रहा है। 63 साल पुरानी इस परंपरा के चलते इलाके में गणेशोत्सव को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बच्चे, महिलाएं और युवा सभी बढ़-चढ़कर उत्सव में शामिल हो रहे हैं।

वहीं आने वाले दिनों में पंडाल में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। प्रतापपुरा का ये गणेश पंडाल फिलहाल श्रद्धालुओं के लिए आस्था और आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

## भतीजे-समधी को पार्टी से निकालने के बाद परिवारवाद को लेकर मायावती कंफ्यूज?

### -पहले भतीजे को बसपा में सेट करने में लगी रहीं, अब भतीजी की कराना चाहती हैं एंट्री

**नई दिल्ली,, एजेंसी।**
बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद और समधी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने के बाद राजनीति में परिवारवाद पर बड़े दावे किए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर दावा किया कि वह बसपा संस्थापक कांशीराम की तरह परिवारवाद के खिलाफ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह कांशीराम की शिष्या होने के नाते परिवारवाद पर उनकी तरह ही डंटी हुई हैं।
गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बीएसपी में लेकर आईं। आकाश को पार्टी में नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया। इसके साथ ही पार्टी को मैसेज चला गया कि मायावती बसपा की कमान आकाश आनंद को ही सौपेंगी। हालांकि उन्हें लोकसभा चुनाव में ही पार्टी की बड़ी जिम्मेदारियों से हटा दिया गया। 2026 अगस्त में एक बार फिर से यूपी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आकाश आनंद को लॉन्च किया गया, लेकिन उनकी दो रैलियों के बाद ही उन्हें पार्टी से पूरी तरह बाहर कर दिया गया। इससे मैसेज मिलता है कि मायावती अपने भतीजे आकाश को पार्टी में सेट करने का प्रयास करती रहीं, लेकिन अब जब वह उन्हें बाहर कर चुकी हैं, तो पार्टी में परिवारवाद नहीं होने की बात कह रही हैं।
मायावती एक तरफ जहां कहा है कि उनके छोटे भाई आनंद कुमार के दोनों बेटों आकाश आनंद और ईशान आनंद को अब बीएसपी में कोई भी पद नहीं दिया जाएगा। वहीं दूसरी तरफ मायावती यह भी कह रही हैं कि आनंद कुमार चाहे तो अपनी इकलौती बेटी कुमारी दीपिका आनंद को पार्टी में जिम्मेवारी सौंप सकते हैं। हालांकि वह यह भी कह रही हैं कि लॉ की पढ़ाई कर रहीं दीपिका की ईमानदारी की परख की जाएगी।
मायावती खुद के महिला होने की बात को आगे कर परिवारवाद पर रियायत मांग रही हैं। कह रही हैं कि उन्होंने शादी नहीं की इसलिए उन्होंने अपने छोटे भाई आनंद कुमार को अपने साथ रखा, जो कि उनकी देखभाल के साथ पार्टी का भी काम देखते हैं। अब सवाल यह उठता है कि जब मायावती जैसी ताकतवर नेता खुद स्वीकार कर रही हैं तो सवाल यह है कि वह फिर किस हैसियत से नारियों को आत्मनिर्भर बनने का संदेश दे पाएंगी। एक सवाल यह भी उठता है कि अगर मायावती परिवारवाद के खिलाफ रहीं तो उन्होंने भतीजे आकाश आनंद की शादी के लिए पार्टी के सांसद अशोक सिद्धार्थ की बेटी को क्यों चुना।
हाल ही में यूपी बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह का असामयिक निधन हो गया था। उनके अंतिम दर्शन करने पहुंची मायावती ने कहा था कि उनके इकलौते बेटे को राजनीति में लॉन्च करेंगी। इसके बाद लखनऊ में हुई बैठक में उमाशंकर सिंह के बेटे प्रिंस युकेश अग्रिम पंक्ति में बैठे दिखे। अब सवाल उठता है कि जब मायावती पार्टी में किसी भी स्तर पर परिवारवाद के खिलाफ हैं तो भला वह प्रिंस युकेश को किस हैसियत से चुनाव

में टिकट देने का मन बना रही हैं, जबकि युकेश अब तक किसी भी राजनीतिक कार्यों में खास सक्रिय नहीं रहे हैं।
परिवारवाद को लेकर मायावती के इन फैसलों को देखने के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे हैं, जो मायावती पिछले दो साल से भतीजे को पार्टी की कमान सौंपने की पूरी प्लानिंग कर रही थीं, उन्हें अचानक से कांशीराम के सिद्धांत कहां से याद आ गए। अगर वाकई वह परिवारवाद के खिलाफ हैं तो उनके भाई आनंद कुमार अभी भी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैसे हैं। इसके अलावा मायावती की भतीजी कुमारी दीपिका को पार्टी में अभी से लाने की इजाजत अभी से क्यों दे रहे हैं।

## संक्षिप्त

### एशियाई खेलों के लिये रवाना भारतीय तलवारबाजी दल

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपियन सी ए भवानी देवी की अगुवाई में भारत का 20 सदस्यीय तलवारबाजी दल एशियाई खेलों के लिये जापान रवाना हो गया जिसमें चोटिल प्राची लोहान की जगह एपी स्पर्धा में अनुप्रिया को मंजूरी मिलने पर उतारा जायेगा। भारतीय दल में 20 खिलाड़ी, पांच कोच और एक फिजियो है जो बुधवार को रवाना हुए। भारतीय साबरे टीम में भवानी देवी, श्रेया गुप्ता, जेफरलिन जेएस और श्रुति जोशी हैं जबकि महिला एपी टीम में तनिष्का खत्री, मितवा चौधरी, यशकीरत कौर और अनुप्रिया के नाम हैं। महिला फॉइल में जॉयस अशिता, एन मीना देवी, कनुप्रिया चावला और सोनिया देवी वाइकोम उतरेंगी। पुरूषों के वर्ग में करण सिंह, के पी गिशोनिधि, लक्ष्य बाडसर और विशाल थापर साबरे टीम में हैं । वहीं सचिन, सनासन हेमाश सिंह, आदित्य और तेजस पाटिल फॉइल टीम में शामिल हैं।

### पाकिस्तान टेस्ट टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहा हूं: हारिस रऊफ

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी अपने तेज गेंदबाजों की वजह से विश्व क्रिकेट में खतरनाक टीम के तौर पर स्थापित रही पाकिस्तान क्रिकेट टीम मौजूदा समय में टेस्ट फॉर्मेट में एक अच्छे तेज गेंदबाज के लिए तरस रही है। टीम के पास ऐसा कोई गेंदबाज नहीं है, जो टेस्ट में लगातार 140 किलोमीटर प्रति घंटा या उससे अधिक गति से गेंदबाजी करे। हारिस रऊफ ने इस कमी को पूरा करने की उम्मीद जताई है। हारिस रऊफ फिलहाल पाकिस्तान में प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड 1 टूर्नामेंट में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेल रहे हैं। इस टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन के आधार पर रऊफ श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहते हैं।

रऊफ ने हाल ही में प्रथम श्रेणी

### नमन धीर और आक़िब नबी को पहली बार मिला वनडे टीम में मौक़ा

मुंबई, एजेंसी। वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ होने वाली आगामी घरेलू सफ़ेद गेंद सीरीज़ के लिए वनडे टीम में नमन धीर और आक़िब नबी को पहली बार वनडे प्रारूप में चुना गया है। जनवरी में आख़िरी बार न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ खेलने वाले रवींद्र जडेजा ने भी लंबे समय बाद वनडे में वापसी की है। हार्दिक पंड्या को फिटनेस के मामले में अभी क्लियरेंस नहीं मिली है। इसको देखते हुए नीतीश कुमार रेड्डी को एशियन गेम्स टीम से निकालकर वनडे सीरीज़ में शामिल किया गया है। वहीं ऋषभ पंत को टीम में जगह नहीं मिली है। विकेटकीपर बल्लेबाज़ के रूप में ध्रुव जुरेल जरूर वनडे सीरीज़ की टीम में शामिल किए गए हैं। भारत की वनडे टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (उपकप्तान), ध्रुव जुरेल, नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, आक़िब नबी, यशस्वी जायसवाल, नमन धीर।

### नोवाक जोकोविच ने चाइना ओपन में खेलने की पुष्टि की

बीजिंग, एजेंसी। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने आगामी चाइना ओपन में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। एटीपी-500 टूर्नामेंट का आयोजन बीजिंग में 28 सितंबर से 6 अक्टूबर तक किया जाएगा। जोकोविच ने बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए कहा, "मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं कई वर्षों बाद बीजिंग में चाइना ओपन खेलने के लिए वापस आ रहा हूं। 39 वर्षीय जोकोविच 11 साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे। चाइना ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और हाल में यूएस ओपन का खिताब जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी हिस्सा लेंगे। जोकोविच ने कहा, "मैं आप सभी के सामने नेशनल टेनिस सेंटर में वापस आकर खेलने के लिए उत्साहित हूं।

## एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की मांग

# भारत में मैच नहीं खेलने का रखा प्रस्ताव

- **पाकिस्तान भारत समेत अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के सभी सदस्य देशों के खिलाफ खेलने के लिए तैयार है : मोहिउद्दीन अहमद वानी**

नई दिल्ली, एजेंसी।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने भारत में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान अपनी टीम के मैच तटस्थ स्थान (न्यूट्रल वेन्यू) पर कराने की मांग की है।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने भारत में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान अपनी टीम के मैच तटस्थ स्थल पर कराने की मांग की है। ये मांग पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के उस बयान के कुछ दिनों बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान हॉकी टीम टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत आएगी।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा कि इस मांग का उद्देश्य खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत समेत अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के सभी सदस्य देशों के खिलाफ खेलने के लिए तैयार है।

वानी ने ये भी कहा कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ खेलों को राजनीति से अलग रखने के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान के समाचार चैनल जियो टीवी के अनुसार, उन्होंने उम्मीद जताई कि एशियन हॉकी फेडरेशन पाकिस्तान की पूरी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तटस्थ स्थल के प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करेगा।

**सरकार की मंजूरी करेगा फैसला**

इससे पहले वानी ने कहा था कि पाकिस्तान हॉकी टीम का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा था कि सरकार जो फैसला करेगी, महासंघ उसी के अनुसार आगे बढ़ेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच खराब राजनीतिक संबंधों का असर दोनों देशों के खेल संबंधों पर भी पड़ा है। हाल के वर्षों में दोनों देशों की टीमें कई बड़े खेल आयोजनों के लिए एक-दूसरे के देश का दौरा करने से बचती रही हैं।

एशिया कप 2025 के दौरान भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान जाने के बजाय अपने मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात में खेले थे। वहीं, आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के लिए पाकिस्तान की महिला टीम भारत नहीं आई और उसने अपने मुकाबले श्रीलंका में खेले।

अब पाकिस्तान हॉकी महासंघ की तटस्थ स्थल की मांग से एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर नया सवाल खड़ा हो गया है। हालांकि, हॉकी में क्रिकेट की तरह तटस्थ स्थल की कोई तय व्यवस्था नहीं है।

**मैच का तटस्थ बदलने का अनुरोध**

मीडिया रिपोर्टस अनुसार, पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने एशियन हॉकी फेडरेशन से संपर्क कर अपने मैच किसी तटस्थ जगह पर कराने का अनुरोध किया है।महासंघ का कहना है कि इससे पाकिस्तान की टीम और अधिकारियों की टूर्नामेंट में बिना किसी रुकावट के भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी।एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होना है।टूर्नामेंट में भारत के अलावा पाकिस्तान, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया की टीमें हिस्सा लेंगी।

## पंत को ईरानी कप में शेष भारत का कप्तान बनाया गया

मुंबई, एजेंसी।

ऋषभ पंत, जो वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए जगह बनाने में असफल रहे, 2025-26 रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू और कश्मीर के खिलाफ ईरानी कप मैच में शेष भारत का नेतृत्व करेंगे। सरफराज खान को पंत का डिप्टी बनाया गया है।

आकाश दीप, जो पीठ के निचले हिस्से में तनाव की चोट के कारण लंबे समय से खेल से बाहर हैं, फिटनेस की शर्त पर ईरानी कप में भाग लेने के लिए तैयार हैं। संयोग से, आकाश दीप ने आखिरी मैच फरवरी 2026 में रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ खेला था।

टीम में तेज गेंदबाजों में मुकेश कुमार, मुकेश चौधरी और आर्यन पांडे भी शामिल हैं, जबकि अनुकूल रॉय स्पिन विभाग में मानव सुथार और सारांश जैन के साथ शामिल हुए हैं, जो हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में शामिल हुए थे। शेष भारत की टीम में आर स्मरण और आयुष डोसेजा भी शामिल हैं, जो पिछली रणजी ट्रॉफी में शीर्ष दो रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। जेएंडके बनाम आरओआई मैच 1-5 अक्टूबर तक श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में खेला जाएगा।

शेष भारत टीमः ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), सनत सांगवान, शिखर मोहन, सुदीप घरामी, सरफराज खान (उपकप्तान), स्मरण रविचंद्रन, मानव सुथार, सारांश जैन, आकाश दीप, मुकेश कुमार, मुकेश चौधरी, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), आर्यन पांडे, अनुकूल रॉय, आयुष डोसेजा।

## मैथ्यू वेड ने बिग बैश लीग से लिया संन्यास

- **वेड ने बिग बैश लीग के उद्घाटन सत्र 2011-12 में मेलबर्न स्टार्स के साथ अपना करियर शुरू किया था**

होबार्ट, एजेंसी।

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने बिग बैश लीग (बीबीएल) क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह अब अपना पूरा ध्यान कोचिंग करियर पर लगाएंगे। वेड फिलहाल ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के सीमित ओवरों के बल्लेबाजी कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं।

वेड पिछले साल भी ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के साथ सलाहकार के रूप में काम कर रहे थे और इसी दौरान होबार्ट हरिकेंस के लिए बिग बैश लीग में खेलते रहे। हालांकि, उन्होंने 2026-27 सत्र से पहले पूरी तरह से खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट से हटने का फैसला किया है।

वेड ने 2024 टी-20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। अब बिग बैश लीग से विदाई के साथ उन्होंने इस प्रतियोगिता के इतिहास में अपनी जगह बनाने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक के रूप में करियर समाप्त किया है।

वेड ने बिग बैश लीग के उद्घाटन सत्र 2011-12 में मेलबर्न स्टार्स के साथ अपना करियर शुरू किया था, जहां उन्होंने महान स्पिनर शेन वॉर्न के साथ खेला। उन्होंने स्टार्स के लिए 16 और मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए 13 मैच खेले। इसके बाद वह अपने गृह राज्य तस्मानिया लौटे और होबार्ट हरिकेंस के लिए 90 मुकाबलों में मैदान पर उतरे।

बिग बैश लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में वेड नौवें स्थान पर हैं, जबकि विकेट के पीछे सर्वाधिक शिकार करने वाले खिलाड़ियों में वह पांचवें स्थान पर हैं। हरिकेंस के लिए बेन मैकडरमॉट और डी'आर्सी शॉर्ट ने उनसे अधिक रन बनाए हैं, लेकिन टीम के लिए वेड के करियर के सर्वश्रेष्ठ 130 रन नाबाद से बड़ी पारी किसी अन्य बल्लेबाज ने नहीं खेली है।

वेड हरिकेंस की पहली बिग बैश लीग खिताबी जीत में भी अहम भूमिका में रहे थे। टीम ने 2024-25 सत्र में पहली बार प्रतियोगिता का खिताब जीता था।

हरिकेंस के कोच जेफ वॉन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "वेडी उन क्रिकेटरों में से हैं, जिन्हें आप हमेशा अपनी टीम में चाहते थे। वह जब भी मैदान पर उतरते थे, पूरी ताकत से मुकाबला करते थे और बहुत तेजी से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते थे।

उन्होंने कहा, "लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने अपने आसपास के खिलाड़ियों को भी बहुत कुछ दिया। उनका क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है और वह हमेशा अपना ज्ञान साझा करने तथा अपने साथियों को बेहतर बनने के लिए चुनौती देने के लिए तैयार रहते थे।

वॉन ने कहा, "हमारी प्रणाली में ऐसे कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैट के साथ खेलने से फायदा हुआ है और मुझे लगता है कि यह यहां उनकी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

## 2027 से 2029 तक शार्लोट में आयोजित होंगे डब्ल्यूटीए फाइनल्स

शार्लेट, एजेंसी। महिला टेनिस के सबसे बड़े टूर्नामेंट्स में से एक डब्ल्यूटीए फाइनल्स को 2027 से नया घर मिलने जा रहा है। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य का शार्लोट शहर अगले तीन वर्षों तक इस सीजन-समापन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। महिला टेनिस टूर अपने सबसे बड़े इवेंट के लिए एक लंबे समय तक चलने वाला प्लेटफॉर्म बनाना चाहता है। डब्ल्यूटीए ने बुधवार को बताया कि फाइनल्स 2027-29 तक स्पेक्ट्रम सेंटर में खेले जाएंगे, जो एनबीए की टीम शार्लेट हॉर्नेट्स का होम ग्राउंड है। इस टूर्नामेंट में डब्ल्यूटीए टूर की टॉप सिंगल्स खिलाड़ी और डबल्स टीमें सीजन के आखिर में मिलने वाले खिताबों के लिए मुकाबला करती हैं। यह कदम डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है, जो पिछले दो दशकों में दुनिया भर के कई शहरों में आयोजित किए गए हैं। डब्ल्यूटीए ने कहा कि इस लंबी अवधि की साझेदारी से चैंपियनशिप की पहचान और अनुभव को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

## भारत-जापान खेल संबंधों को मजबूती

### बीसीसीआई प्रमुख मन्हास और टीम इंडिया ने जापानी राजदूत से मुलाकात की

- **भारत और जापान की पुरुष टीमें पहली बार 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में टी20 मैच में आमने-सामने होंगी**

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास और कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सदस्यों ने बुधवार को भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची से मुलाकात की। यह खास मुलाकात 'सुजुकी कप' से पहले हुई, जिसमें भारत और जापान की पुरुष टीमें पहली बार 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में टी20 मैच में आमने-सामने होंगी।

इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच बढ़ते खेल संबंधों पर जोर दिया गया। राजदूत ओनो ने मन्हास और भारतीय टीम को 'दारुमा' भेंट किया, जो जापान में सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए मन्हास ने कहा कि यह मौका बहुत अहम है, क्योंकि क्रिकेट जापान में नए दर्शकों तक पहुंचने की तैयारी कर रहा है।

मन्हास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "आज दिल्ली में टीम इंडिया के साथ भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची से मिलकर खुशी हुई। यह एक खास पल है, क्योंकि क्रिकेट जापान में नए दर्शकों तक पहुंच रहा है। यह जय शाह की उस दूरदर्शिता को भी दर्शाता है, जिसमें हमारे खेल को नई जगहों तक ले जाने और इसे सच में ग्लोबल बनाने की बात कही गई है। हमें इस विजन को आगे बढ़ाने और दुनिया के नए हिस्सों में क्रिकेट की मौजूदगी को मजबूत करने पर गर्व है। इस ऐतिहासिक मैच और एशियन गेम्स के लिए उत्साह बढ़ रहा है।"

राजदूत ओनो ने भी मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं और कहा कि उन्हें मन्हास और अय्यर की अगुवाई वाली भारतीय टीम से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "दोस्ती की नई पारी, बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम इंडिया से मिलकर खुशी हुई। 22 सितंबर को सानो, तोचिगी, जापान में होने वाले सुजुकी कप – भारत-जापान 75वीं वर्षगांठ क्रिकेट मैच का बेसब्री से इंतजार है। 20वें एशियन गेम्स के लिए शुभकामनाएं।

## यूपीएल 2026 की टीमें पूरी, 21 सितंबर से होगा तीसरे सीजन का आगाज

देहरादून, एजेंसी।

उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के तीसरे संस्करण के लिए सभी सात पुरुष टीमों के स्क्वाड प्लेयर्स ड्राफ्ट के बाद पूरे हो गए हैं। प्रतियोगिता का आयोजन 21 सितंबर से एक अक्टूबर तक रायपुर स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) के तत्वावधान में होने वाली प्रतियोगिता में पिथौरागढ़ हरिकेन्स, यूएसएन इंडियंस, नैनीताल टाइगर्स, ऋषिकेश रिवर किंग्स, हरिद्वार एल्मास, टिहरी टाइटन्स और देहरादून वॉरियर्स की टीमें हिस्सा लेंगी। टीमों में सीनियर, अंडर-23, अंडर-19 और अनकैप्ड खिलाड़ियों का संयोजन किया गया है।

प्लेयर्स ड्राफ्ट में उत्तराखंड के प्रमुख खिलाड़ियों को विभिन्न टीमों का आइकन प्लेयर बनाया गया है। ऋषिकेश रिवर किंग्स के आइकन प्लेयर आकाश मधवाल, यूएसएन इंडियंस के सुचित जे, नैनीताल टाइगर्स के अवनीश सुधा, हरिद्वार एल्मास के युवराज चौधरी, टिहरी टाइटन्स के तेजस्वी जायसवाल, देहरादून वॉरियर्स के कुणाल चंदेला और पिथौरागढ़ हरिकेन्स के मयंक मिश्रा होंगे।

सीएयू की सचिव किरण वर्मा ने कहा कि प्लेयर्स ड्राफ्ट के जरिए उत्तराखंड की प्रतिभाओं को मजबूत मंच मिला है। उन्होंने कहा कि सीनियर और उभरते खिलाड़ियों के एक साथ आने से तीसरे सीजन में प्रतिस्पर्धा और रोमांच बढ़ेगा।

## चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और ईरान सेमीफाइनल में

नागोया (जापान), एजेंसी।

बुधवार को अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मैच जीतने के बाद चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और ईरान 2026 एशियन गेम्स के पुरुष बास्केटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंच गए।

चीन ने सऊदी अरब को 87-78 से हराया, जबकि उनके फॉरवर्ड खिलाड़ी झू जुनलोंग, झाओ जियाई और ली होंगक्वान चोट के कारण बाहर थे। चीन ने हाफटाइम तक 48-39 की बढ़त बना ली थी, लेकिन सऊदी अरब ने वापसी करते हुए तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर 62 पर बराबर कर दिया। चौथा क्वार्टर काफी कड़ा रहा, लेकिन हू जिनक्यू के दो फ्री थ्रो ने मैच खत्म होने में 2:04 मिनट बाकी रहते चीन को 83-75 की बढ़त दिला दी। इसके बाद मोहम्मद अलसुवाइलेम ने एक फ्री थ्रो और एक ले-अप करके अंतर को 83-78 कर दिया (1:29 मिनट बाकी रहते), लेकिन कुई योंगक्सी और लियाओ के लगातार बास्केट ने चीन की जीत पक्की कर दी। लियाओ ने मैच में सबसे ज़्यादा 30 पॉइंट बनाए और दोहरे अंकों में स्कोर करने वाले चार चीनी खिलाड़ियों में सबसे आगे रहे, जबकि यू जियाहाओ ने 16 पॉइंट और नौ रिबाउंड हासिल किए। सऊदी अरब के लिए मुहम्मद अब्दुर्रहमान ने सबसे ज़्यादा 25 पॉइंट बनाए।

ईरान ने बहरीन को 79-74 से करीबी मुकाबले में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। मैच खत्म होने में 10.4 सेकंड बाकी थे और ईरान तीन पॉइंट से आगे था, तभी ईरान के खिलाड़ी लगातार तीन फ्री थ्रो चूक गए, जिससे बहरीन को मैच पलटने का आखिरी मौका मिल गया। बहरीन के आखिरी पज़ेशन (गेंद पर कब्ज़े) के दौरान, गार्ड मुस्तफा राशिद कोने से थ्री-पॉइंटर नहीं लगा पाए। इसके बाद रेफरी के फैसले पर बहस करने के कारण उन्हें मैच का दूसरा टेक्निकल फाउल मिला और उन्हें बाहर कर दिया गया, जिससे बहरीन की वापसी की उम्मीदें खत्म हो गईं। अन्य दो क्वार्टर फाइनल मैचों में, ली ह्यून-जुंग ने 28 पॉइंट बनाए और नौ रिबाउंड हासिल किए।

## मेस्सी ने इंटर मियामी के लिये सौवां गोल दागा

मियामी, एजेंसी।

लियोनेल मेस्सी ने इंटर मियामी फुटबॉल क्लब के लिये सौवां गोल दागा जिसकी मदद से टीम ने केंपियोनेस कप में क्रूज अजुल को 2 . 0 से मात दी।

मेस्सी ने 24वें मिनट में पहला गोल किया जो 115 मैचों में उनका 100वां गोल था। केसमिरो ने 81वें मिनट में मेस्सी से मिले कॉर्नर पर दूसरा गोल दागा।

पिछले पांच मैचों में ब्राजील के मिडफील्डर केसमिरो का यह चौथा गोल था। इस जीत से इंटर मियामी ने मेस्सी के आगमन के तीन साल बाद एक और ट्रॉफी अपने नाम की। इससे पहले टीम लीग्स कप 2023, सपोटर्स शील्ड 2024 और एमएलएस कप 2025 जीत चुकी है।

**एशियाई खेल** | **कजाकिस्तान की शूटिंग टीम ने बिना किसी आधिकारिक स्पष्टीकरण के दो घंटे से अधिक समय तक इंतजार किया**

# एशियाई खेलों की शटल सर्विस में गड़बड़ी के कारण एथलीट एयरपोर्ट के पास फंसे

नागोया (जापान), एजेंसी।

बुधवार को आइची-नागोया एशियाई खेलों से पहले, ट्रांसपोर्ट में भारी देरी के कारण कई देशों और क्षेत्रों के एथलीट और अधिकारी चुबू सेंट्रेयर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित वेन्यू, आइची स्काई एक्सपो में फंस गए।

कई देशों के दल अपने आधिकारिक ठहरने की जगह तक जाने के लिए घंटों इंतजार करते रहे, क्योंकि ऑन-साइट सिस्टम में बड़ी संख्या में एथलीटों की जानकारी नहीं मिल पाई, जिससे वे पहले से तय शटल बसों में नहीं चढ़ सके। इस समस्या के लिए कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया।

चीनी दल के सदस्यों का एक समूह, जिसमें कई राष्ट्रीय टीमें शामिल थीं, स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 12:15 बजे एयरपोर्ट पहुंचा। सिस्टम में उनकी कुछ जानकारी नहीं मिल सकी, जिससे समूह शटल बसों में नहीं चढ़ सका।

इस अव्यवस्था से कई देशों और क्षेत्रों के दल प्रभावित हुए। भारत की रोइंग टीम के एक कोच ने बताया कि उनकी टीम सुबह 10 बजे पहुंची थी, लेकिन ट्रांसपोर्ट के लिए चार घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा; उनसे पहले पहुंची टीमों को भी ऐसी ही देरी का सामना करना पड़ा।

एक दल सदस्य के अनुसार, चीन की जिम्नास्टिक टीम के 21 सदस्यों में से केवल दो ही ऑन-साइट सिस्टम में मिल सके, जिससे पूरी टीम फंस गई।

थके-हारे एथलीट एयरपोर्ट टर्मिनल के ठीक बाहर आइची स्काई एक्सपो में घंटों इंतजार करते रहे। कई चीनी एथलीटों ने इस खाली समय का इस्तेमाल ट्रेनिंग के लिए किया और वार्म-अप के लिए योग मैट बिछाए। चीनी दल के एक अधिकारी ने कहा, "किसी ने हमें रवानगी का सही समय नहीं बताया। यहां तक कि स्टाफ और वॉलंटियर्स के पास भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं है।

दोपहर भर इंतजार का सिलसिला चलता रहा। कजाकिस्तान की शूटिंग टीम ने बिना किसी आधिकारिक स्पष्टीकरण के दो घंटे से अधिक समय तक इंतजार किया। एक वॉलंटियर ने कहा कि यह अव्यवस्था विभागों के बीच खराब तालमेल के कारण लग रही थी। वॉलंटियर ने कहा, "कामकाज के कई हिस्से आपस में जुड़े नहीं हैं। टीमें चाहें तो प्राइवेट ट्रांसपोर्ट का इंतजाम कर सकती हैं, लेकिन उन्हें इसका खर्च खुद उठाना होगा।

आधिकारिक बसों के लिए कोई स्पष्ट समय-सीमा न होने के कारण, चीन की बैडमिंटन टीम ने एयरपोर्ट की पब्लिक बसों से जाने की कोशिश की, लेकिन सभी के लिए पर्याप्त टिकट नहीं मिल सके। कुछ एथलीट अलग-अलग चले गए, जबकि बाकी वहीं रुके रहे। बाकी बचे बैडमिंटन खिलाड़ियों की मदद नागोया में चीनी कॉन्सुलेट जनरल के स्टाफ़ ने की, जिन्होंने स्थानीय प्रवासी चीनी संपर्कों के ज़रिए चार्टर्ड गाड़ियों का इंतज़ाम किया। आख़िरकार पूरी टीम शाम 4:30 बजे आइची स्काई एक्सपो से रवाना हुई।

दूसरी चीनी टीमों को भी काफ़ी देर तक इंतज़ार करना पड़ा। टेबल टेनिस, वुशु और रोइंग टीमों के कुछ सदस्य शाम 5 बजे के आस-पास सरकारी बसों में सवार हुए, जबकि जिम्नास्टिक्स टीम शाम 6 बजे तक वहाँ से नहीं निकल पाई – यानी पहुँचने के लगभग छह घंटे बाद।

कुछ डेलिगेशन के लिए यह परेशानी और भी लंबी चली। स्थानीय समय के अनुसार शाम 7 बजे के आस-पास, श्रीलंकाई डेलिगेशन के एक अधिकारी ने बताया कि घर से निकलने के बाद से टीम का कुल सफ़र और इंतज़ार का समय 24 घंटे तक पहुँच गया था।

पूरे दिन हालात बहुत साधारण रहे। वेन्यू पर सिर्फ़ पीने का पानी उपलब्ध था, खाने-पीने की कोई चीज़ नहीं थी। एक थके हुए एथलीट ने कहा, "मुक़ाबलों के मुक़ाबले मैदान के बाहर की ये परेशानियाँ झेलना ज़्यादा मुश्किल है।

गेम्स से पहले लॉजिस्टिक्स में आई इस गड़बड़ी ने मेज़बान की इवेंट को सुचारू रूप से चलाने की क्षमता पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

# बेबी और नाम शबाना के बाद खूब एक्शन रोल ऑफर हुए लेकिन...

**दमदार अभिनय और बेबाक व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली अदाकारा तापसी पन्नू अब अपनी नई फिल्म 'गांधारी' में भी बेटी को तलाशती नेत्रहीन मां की मजबूत भूमिका में नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि करियर के शुरुआती दौर में बेबी और नाम शबाना जैसी फिल्मों में ऐक्शन के लिए तारीफें बटोरने वाली तापसी इसमें लंबे अरसे बाद ऐक्शन भी करती दिख रही हैं। तापसी बताती हैं कि वह इस जॉनर से इसलिए दूर थीं, क्योंकि एक तो वह ऐक्शन करके शारीरिक-मानसिक रूप से थक गई थीं, दूसरे अलग तरह के इमोशंस भी एक्सप्लोर करना चाहती थीं।**

## एजेंट-कॉप के कई ऐक्शन रोल मना किए

बकौल तापसी, 'बेबी और नाम शबाना को जिस तरह का प्यार मिला, मेरे लिए वैसे ही रोल करना बहुत काफी लुभावना था, क्योंकि तब ज्यादा लोग ऐक्शन कर भी नहीं रहे थे। मुझे अंडर कवर एजेंट, कॉप, मिशन वाले ऐक्शन रोल ऑफर भी खूब हुए, लेकिन मुझे वो सब नहीं करना था, क्योंकि मैं बहुत थक गई थी। उन फिल्मों में सारा ऐक्शन मैंने खुद किया था। उसमें कोई इफेक्ट नहीं था, तो वो फिजिकली-मेंटली बहुत मेहनत का काम है। फिर, मैं वायलेंट इंसान भी नहीं हूं। मैं मारपीट देखकर घबरा जाती हूं। लोगों को ऐसा लगता नहीं है लेकिन ऐसा है। इसलिए भी मुझे उससे ब्रेक चाहिए था। साथ ही, मुझे बाकी इमोशंस को एक्सप्लोर करने वाले काफी अच्छे रोल भी मिल रहे थे, तो मैंने सोचा अब ऐक्शन तभी करूंगी, जब इससे ऊपर का कुछ होगा।'

## हम हीरोइनों की जीत और हार साझा होती है

बॉलिवुड में बड़े बजट की फीमेल सेंट्रिक ऐक्शन फिल्म की मांग बहुत समय से उठ रही थी, लेकिन आलिया भट्ट की अल्फा के रूप में जब ऐसी फिल्म आई तो वह नहीं चली। नायिका प्रधान फिल्मों की लड़ाई पर इसके असर पर तापसी कहती हैं, 'इस मामले में एक की जीत हम सबकी जीत होती है, क्योंकि जब एक फीमेल सेंट्रिक फिल्म चलती है तो लोगों को साहस मिलता है कि हां, ऐसी पिक्चर चल सकती है। उसी तरह से जब एक नहीं चलती है, खासकर बड़े बजट की नहीं चलती तो नुकसान भी हम सबका होता है। इसलिए, बुरा लगता है कि यार, चलनी चाहिए थी। लोग बोलते हैं कि अच्छी फिल्में चलती हैं तो क्या हीरो सेंट्रिक सारी ऐक्शन फिल्में कमाल की ही होती हैं? वे क्या बहुत बढ़िया थीं, तभी चलीं? ऐसा जरूरी नहीं है। हीरो वाली काफी औसत बिग स्केल फिल्में भी चल जाती हैं, मगर दुर्भाग्य से हमें वह छूट नहीं होती। हम औरतों की कहानियां उन्नीस-बीस नहीं हो सकती। उसे इक्कीस होना पड़ेगा, तभी चलेगी।

## कनिका और मैं एक-दूसरे को समझते हैं

गांधारी की लेखिका-निर्माता कनिका ढिल्लों संग तापसी मनमर्जियां, हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट, फिर आई हसीन दिलरुबा जैसी फिल्मों में भी साझेदारी कर चुकी हैं। इस बॉन्डिंग पर वह बताती हैं, 'कनिका ने मनमर्जियां की कहानी मुझे सीन के बीच में गाना तक सुनाकर पूरे डिटेल में नरेट की थी। जबकि, गांधारी में सिर्फ चार लाइन में स्टोरी बताई कि ये कहानी है। अगर तू कर रही है तो मैं आगे लिखती हूं, तो हमारी आपसी समझ और एक दूसरे पर इतना भरोसा बन गया है कि कनिका को पता है कि मैं क्या करना चाहूंगी और क्या नहीं करूंगी। वहीं, मुझे भी ये पता है कि अगर इसने मुझे दो लाइन भी सुना दी हैं ना, तो उसके बाद ये लिख लेगी। वहीं, निर्माता के तौर पर वह फिल्म को बेस्ट तरीके से बनाएगी। मुझे कोई लड़ाई नहीं लड़नी पड़ेगी। वो कनिका लड़ लेगी तो मैं काफी रिलैक्स होती हूं।'

# साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।' नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, 'आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।' अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।' यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है।

# संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में करीना कपूर की एंट्री पक्की

**क्या करीना कपूर को संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में देखा जाएगा? क्या भंसाली की कोई फिल्म करीना साइन करने वाली हैं? क्या करीना और भंसाली का दो दशक पुराना मनमुटाव दूर हो गया है? कुछ ऐसे ही सवाल बी-टाउन में पूछे जा रहे हैं। वजह है कि करीना कपूर खान को भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया।**

## दो दशक पुराने गिले शिकवे दूर हो गए

फिल्म 'देवदास' के बाद से करीना कपूर खान और भंसाली के बीच मतभेद शुरू हो गए। दोनों को कभी साथ काम करते नहीं देखा गया। करीब दो दशक बाद आज अचानक करीना कपूर खान को भंसाली के ऑफिस के बाहर देखा गया तो अटकलें लगने लगीं कि दोनों साथ में किसी फिल्म के लिए काम करने वाले हैं। चर्चा ये भी है कि दोनों ने अपने पुराने मतभेद भुला दिए हैं। भंसाली के ऑफिस के बाहर करीना को देख कयास लग रहे हैं कि वे निर्देशक की फिल्म में नजर आ सकती हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हालांकि, आधिकारिक रूप से अभी ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

## क्यों हुई करीना और भंसाली में अनबन?

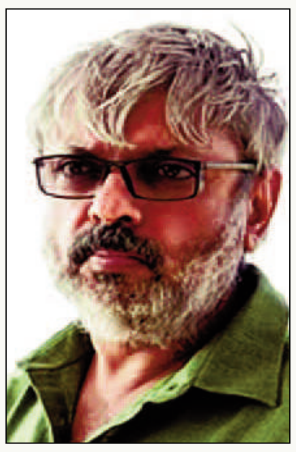

संजय लीला भंसाली ने साल 2002 में फिल्म 'देवदास' बनाई थी। कथित तौर पर इस फिल्म के लिए करीना कपूर को पारो की भूमिका के लिए अप्रोच किया था। अभिनेत्री ने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था। हालांकि, बाद में पारो के रोल के लिए भंसाली ने ऐश्वर्या राय बच्चन को चुन लिया। 2002 में फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा था, 'उन्होंने मेरे साथ जो किया, वह गलत था। उन्होंने 'देवदास' (2002) के लिए मेरा स्क्रीन टेस्ट लिया। मुझे साइनिंग अमाउंट दिया और फिर किसी और को ले लिया। यह गलत था और मुझे इसलिए ज्यादा बुरा लगा, क्योंकि मैं अपने करियर की शुरुआत में थी'।

# माही विज ने बताया क्यों छोड़ा था 'सहर होने को है

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस माही विज इन दिनों 'बिग बॉस 20' को लेकर चर्चा में हैं। सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले इस रियलिटी शो में माही की एंट्री ने उनके फैंस को काफी उत्साहित किया है। शो में आने के बाद जहां दर्शक उनके अलग-अलग अंदाज को देखने के लिए उत्सुक हैं, वहीं उनके पिछले शो 'सहर होने को है' से बाहर होने को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही थीं। ऐसी चर्चा थी कि माही ने 'बिग बॉस' का हिस्सा बनने के लिए अपना पिछला शो छोड़ा है। अब एक्ट्रेस ने खुद इस बात पर चुप्पी तोड़ी है और बताया कि दोनों फैसलों का आपस में कोई लेना-देना नहीं है। बातचीत में माही विज ने कहा, ''मैं 'सहर होने को है' को जनवरी में ही छोड़ने का फैसला ले चुकी थीं। हालांकि, शो छोड़ने की प्रक्रिया में काफी समय लग गया। मेरा बाहर निकलना अचानक लिया गया फैसला नहीं था। शो के क्रिएटिव्स भी मुझे इतनी जल्दी छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए शो से अलग होने में मुझे समय लगा।''

माही ने कहा, ''सच कहूं तो मैं खुद भी उस समय शो छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थीं। 'सहर होने को है' मेरे दिल के काफी करीब था। मैं इस शो से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई थीं और इसलिए इसे छोड़ना मेरे लिए आसान नहीं था। हालांकि, मैंने 'बिग बॉस' में एंट्री लेने के लिए अपना पिछला शो नहीं छोड़ा है। 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे काफी बाद में मिला था।'' माही ने कहा, ''मैंने बहुत पहले ही शो छोड़ दिया था और 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे बाद में आया। ऐसे में पुराने शो से बाहर होने और नए रियलिटी शो में आने के बीच सीधा संबंध जोड़ना सही नहीं है। मैं पहले ही अपना फैसला ले चुकी थीं और 'बिग बॉस' का फैसला बाद में आया।''

'बिग बॉस 20' का हिस्सा बनने को लेकर भी माही काफी उत्साहित नजर आईं। उन्होंने कहा, ''जिंदगी में समय-समय पर कुछ नया आजमाते रहना चाहिए। 'बिग बॉस' शो को देखना मुझे काफी पसंद हैं, लेकिन खुद इसमें आने को लेकर पहले कभी इतनी सीरियस नहीं थीं। इस बार मुझे खुद समझ नहीं आया कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि मैंने शो का हिस्सा बनने के लिए हां कह दी।'' माही ने कहा, ''हर काम का एक सही समय होता है और शायद मेरे लिए 'बिग बॉस' करने का समय अब आया है। यही वजह है कि इस बार मैंने इस मौके को स्वीकार कर लिया। अब मैं यह देखने के लिए भी उत्साहित हूं कि घर के अंदर मेरा सफर किस तरह आगे बढ़ता है।'' उन्होंने कहा, '''बिग बॉस' के घर में परिस्थितियां बदलती रहती हैं। अभी मैं नहीं जानती कि घर के अंदर मेरे व्यवहार का कौन सा रूप सामने आएगा। ऐसे में दर्शकों को मेरा एक ऐसा अंदाज भी देखने को मिल सकता है, जिसे उन्होंने पहले नहीं देखा होगा।''

# जूही मूई के ऑफ एयर होने से टूटा ईशा सिंह का दिल

टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह के लिए 'जूही मूई' सिर्फ एक सीरियल नहीं था, बल्कि ऐसा सफर था जिसमें उन्होंने अपने किरदार के साथ खुद को भी काफी हद तक जोड़ा। यही वजह है कि जब इस शो के ऑफ एयर होने की खबर सामने आई, तो ईशा के लिए इसे स्वीकार करना आसान नहीं रहा। एक्ट्रेस का कहना है कि वह इस कहानी और अपने किरदार को अभी और आगे ले जाना चाहती थीं। उन्हें लगता है कि अभी किरदार में बहुत कुछ ऐसा था, जिसे पर्दे पर दिखाया जा सकता था। शो के खत्म होने से वह दिल से काफी दुखी हैं, लेकिन इस सफर से मिली यादों और दर्शकों के प्यार को हमेशा अपने साथ रखेंगी। आईएएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव बयान में ईशा ने शो के बंद होने पर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, ''मैं इस समय बेहद दुखी हैं, क्योंकि मैं चाहती थी कि यह सफर अभी जारी रहे। बतौर एक्ट्रेस मेरे पास किरदार को लेकर अभी बहुत कुछ करने और समझने की गुंजाइश थी। मैं इस भूमिका में खुद को और ज्यादा तलाशना चाहती थी और दर्शकों को भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखाना चाहती थी। हर सफर इंसान को कुछ न कुछ सिखाकर जाता है।''

ईशा ने कहा, ''अगर 'जूही मूई' का ये सफर सच में खत्म हो रहा है, तो मैं इसे सिर्फ शो के बंद होने के तौर पर याद नहीं करना चाहती। मेरे लिए इस शो से जुड़ा प्यार, सेट पर बिताया वक्त, काम करने वाले लोग और बनी हुई यादें ज्यादा मायने रखती हैं। मैं उन फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जो शो को बचाने के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं। अगर मेरे फैंस अभी भी शो को बचाने की कोशिश कर रहे हैं तो मैं उनकी आवाज सुन रही हूं और उनकी इस कोशिश के लिए दिल से आभारी हूं।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी शो का हिस्सा रहता है तो वह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे उसकी जिंदगी का हिस्सा बन जाता है। कलाकार सिर्फ कैमरे के सामने लाइन्स बोलकर अपना काम पूरा नहीं करता। वह किरदार को समझता है, उसकी भावनाओं को महसूस करता है और कई-कई घंटे सेट पर बिताता है। 'जूही मूई' का अनुभव मेरे लिए कुछ ऐसा ही रहा। मैंने शो को अपनी परफॉर्मेंस के साथ-साथ अपना समय और पूरी एनर्जी दी है। इसलिए अचानक यह सुनना कि शो खत्म होने जा रहा है, मेरे लिए काफी भावुक कर देने वाला है।''

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401